संकल्प

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की गृह पत्रिका

जून 2026 | वर्ष-23 | अंक-03



केबिनेट का फैसला

IPO नई ऊंचाइयों की ओर पारेषण कंपनी

जनभागीदारी, पारदर्शिता और विकास की नई दिशा



विद्युत विकास के बढ़ते कदम

विवरण	नवम्बर 2000	मई 2026
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2,840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2,978 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या	27 नग	141 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट किमी	15,214 सर्किट किमी
400 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	1 नग	5 नग
400 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	945 एमवीए	4,410 एमवीए
400 केवी लाइन की लंबाई	277 किमी	1,999 किमी
220 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	5 नग	28 नग
220 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,350 एमवीए	11,280 एमवीए
220 केवी लाइन की लंबाई	1594.30 किमी	4,515 किमी
132 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	20 नग	108 नग
132 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,257 एमवीए	12,771 एमवीए
132 केवी लाइन की लंबाई	2,974 किमी	8,700 किमी
33/11 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	248 नग	1,502 नग
33/11 केवी उपकेंद्रों की क्षमता	1,033 एमवीए	10,854 एमवीए
33 केवी लाइन की लंबाई	6,988 सर्किट किमी	26,524सर्किट किमी
11/04 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	29,692 नग	2,64,269नग
11/04 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,951 एमवीए	1,5472 एमवीए
11 केवी लाइन की लंबाई	40,556 किमी	1,52,553 किमी
निम्नदाब लाइन की लंबाई	51,314 किमी	2,54,159 किमी
उपभोक्ताओं की संख्या निम्नदाब	18,90,998	66,61,855
उपभोक्ताओं की संख्या उच्च्दाब	530	4,339
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73,369	6,15,921
अस्थायी पंपों की संख्या	73500	2,57,496
ग्रामीण विद्युतीकरण संख्या	17,108	19,609
अधिकतम मांग	1,334 मेगावॉट	7083 मेगावॉट

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2026 | वर्ष-23 | अंक-03

संरक्षक



श्री सुबोध कुमार सिंह (IAS)
माननीय अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़



श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
CSPGCL



श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
CSPTCL



श्री भीम सिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
CSPDCL

संपादक



गोविन्द पटेल
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

सम्पादन सहयोग : **अनामिका मण्डावी**
छाया : **संजय टेम्भे**
कार्यालय सहयोग : **सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे**
फोन : 0771-2574702 E-mail : procsphcl@gmail.com
वाट्सएप नं. : **94255-15050**

क्रम



नई ऊंचाइयों की ओर पारेषण कंपनी 02
बिजली सप्लाई को बेहतर बनाने नई तकनीकों... 06
छत्तीसगढ़ को पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार... 08
सुदृढ़ पारेषण नेटवर्क की नई उपलब्धियां 12
विद्युत अधोसंरचना को मिल रही नई मजबूती 16
पावर कंपनी की उपलब्धियों के लिए जताया आभार 18
केबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने ली बैठक 19
पावर कंपनी के सहयोग से एनआईटी... 20
मड़वा के क्लोरीनेशन प्लांट में गैस लीकेज का मॉकड्रिल 22
सांस्कृतिक संध्या पर कला मंच पर उतरे सितारे 23
पर्यावरण संरक्षण का संदेश उकेरा कैनवास पर 26
उम्र नहीं, संकल्प दौड़ता है 28
मीडिया स्पीक 29
विदाई 32

IPO नई ऊंचाइयों की ओर पारेषण कंपनी

जनभागीदारी, पारदर्शिता और विकास की नई दिशा

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) प्रक्रिया के माध्यम से लिस्टिंग करने के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 9 जून 2026 को मंत्रालय में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में मंजूरी दी गई।







छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। राज्य सरकार ने कंपनी के शेयरों को इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी देकर ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक सुधार और जनभागीदारी की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 9 जून 2026 को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य कंपनी के भावी पूंजीगत निवेश, विद्युत पारेषण अवसंरचना के विस्तार तथा वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता को और सुदृढ़ बनाना है।

आईपीओ के माध्यम से आम नागरिकों और निवेशकों को कंपनी की विकास यात्रा का भागीदार बनने का अवसर मिलेगा। साथ ही, सूचीबद्ध होने से कंपनी में पारदर्शिता, बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस, वित्तीय अनुशासन और बाजार आधारित मूल्यांकन को बढ़ावा मिलेगा। राज्य में आगामी वर्षों में लगभग 15 हजार करोड़ रुपये के पारेषण नेटवर्क विस्तार की योजना को गति देने में भी यह निर्णय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सूचीबद्ध होने के बाद भी कंपनी पर राज्य शासन का नियंत्रण पूर्ववत बना रहेगा तथा कर्मचारियों और अधिकारियों की कार्यप्रणाली एवं सेवा शर्तों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

राज्य शासन की शत-प्रतिशत अंशधारित एवं ऊर्जा विभाग अन्तर्गत संचालित छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी (CSPTCL) द्वारा राज्य में विद्युत संरचना के विकास हेतु किये जा रहे पूँजीगत कार्यों / निवेश में आमजन की भागीदारी बढ़ाने हेतु कम्पनी के शेयर्स का इनीशियल पब्लिक आफरिंग (IPO) प्रक्रिया के माध्यम से लिस्टिंग करने के प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद द्वारा सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई एवं इस कार्य के लिये पारेषण कंपनी के संचालक मंडल को समस्त प्रक्रिया पूर्ण करने एवं इस कार्य में जो भी आवश्यक अनुषांगिक कार्य संपादित करने या निर्णय लेने की आवश्यकता हो, उन्हें करने के लिये पूर्णतः अधिकृत की गई। साथ ही उपरोक्त कार्य हेतु निर्देश / निर्णय जारी करने हेतु ऊर्जा विभाग को अधिकृत किया गया।

शासन के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनियां जिनका आर्थिक एवं तकनीकी परिचालन अच्छा है एवं निरन्तर लाभ अर्जन की स्थिति में है, उन कंपनियों के शेयर्स को देश के स्टाक एक्सचेंज में लिस्टिंग करके अंशपूंजी का एक हिस्सा सामान्य पब्लिक / निवेशक द्वारा खरीदे जाने पर कम्पनी के विस्तार में जनभागीदारी की वृद्धि होती है तथा कंपनी को भविष्य के पूँजीगत कार्यों के लिए राशि की उपलब्धता में सुगमता होती है साथ ही कंपनी के परिचालन में पारदर्शिता तथा गवर्नेंस में सकारात्मक लाभ होता है।

इस विषय पर भारत सरकार, द्वारा छत्तीसगढ़ के विद्युत क्षेत्र में प्रचालनात्मक पारदर्शिता एवं वित्तीय प्रबंधन में

राज्य शासन द्वारा लिया गया निर्णय हमारी संस्था की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह निर्णय पारदर्शी, उत्तरदायी एवं आधुनिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है।
छत्तीसगढ़ में तीव्र गति से बढ़ रही ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए सुदृढ़ एवं विश्वसनीय पारेषण नेटवर्क का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आगामी वर्षों में राज्य में अति उच्चदाब उपकेंद्रों एवं पारेषण लाइनों के व्यापक विस्तार की योजनाएं प्रस्तावित हैं। आईपीओ के माध्यम से प्राप्त होने वाले वित्तीय संसाधन इन योजनाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
हम सभी के सामूहिक प्रयासों से छत्तीसगढ़ की ऊर्जा अवसंरचना को और अधिक सशक्त, आधुनिक एवं भविष्य उन्मुख बनाने के अपने संकल्प को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे।



सुबोध कुमार सिंह
चेयरमेन
छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज

सुधार हेतु जारी प्रयासों के आलोक में, राज्य के स्वामित्व वाली विद्युत यूटिलिटी के सार्वजनिक सूचीकरण से निष्पादन को बनाये रखने, पूंजी निवेश में तेजी लाने, वितरण और संरचना के आधुनिकीकरण तथा दीर्घकालिक स्थिरता के लिये कार्पोरेट गवर्नेंस को सुदृढ़ करने के अवसर हेतु सार्वजनिक सूचीकरण बाबत् आवश्यक कार्यवाही के निरंतर निर्देश प्राप्त हो रहे थे। इसी कड़ी में पारेषण कंपनी हेतु निर्णय लिया गया।

यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि पूर्व में भारत सरकार के अन्तर्गत संचालित कंपनियां यथा- एनटीपीसी पावर ग्रिड, एसजेव्हीएन , एनएचपीसी आदि का भारत सरकार द्वारा सफलतापूर्वक शेयर लिस्टिंग किया जा चुका है और ये सभी शासकीय कंपनियां बेहतर प्रदर्शन कर रही है। इसी तारतम्य में राज्य शासन के स्वामित्व वाली पारेषण कंपनी के शेयर्स की लिस्टिंग महत्वपूर्ण कदम है ताकि राज्य शासन की इस कंपनी को लिस्टिंग से जुड़े लाभ यथा पूंजी की उपलब्धता, मार्केट विजिब्लिटी, बेहतर संचालन इत्यादि का लाभ मिल सके।

CSPTCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

पारेषण कंपनी के संचालक मंडल द्वारा यह निर्णय लेने के पूर्व पूंजी क्षेत्र की विशेषज्ञ फर्म मेसर्स एस.बी.आई. कैपिटल से फिजिबिलिटी स्टडी कराई गई जिसके निष्कर्ष के अनुसार कंपनी के शेयर्स को आईपीओ के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया जाना संभव, साध्य एवं सफलता योग्य है। हमारी कपंनी के विगत 5 वर्षों के लेखा-जोखा एवं वित्तीय प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। इसके आधार पर भारत की प्रमुख क्रेडिट रेटिंग एजेंसी India Ratings and Research (Ind&Ra), FitchGroup ने कंपनी के बैंक ऋण और वित्तीय सुविधाओं के लिए लगातार 'IND A/Stable' एवं भारत सरकार की ऊर्जा क्षेत्र की वित्तीय संस्था मेसर्स पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन द्वारा विगत 2 वर्षों से A++ रेटिंग दी गई है जो कि उनकी उच्चतम रेटिंग है।

प्रदेश की बढ़ती हुई ऊर्जा आवश्यकताओं एवं उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत प्रदाय सुनिश्चित करने की दृष्टि से ट्रांसमिशन कम्पनी को छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा नेटवर्क विस्तार के लिए आगामी 4 वर्षों हेतु विभिन्न अति उच्चदाब की सबस्टेशन एवं पारेषण लाइन बनाने इत्यादि में लगभग 15 हजार करोड़ रूपये के निवेश योजना की स्वीकृति दी गई है। इस निर्णय से पूंजीगत कार्यों हेतु राशि की व्यवस्था करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी एवं बढ़ती हुई ऊर्जा मांग की पूर्ति के दिशा में सभी कार्यों को समयबद्ध पूर्ण किया जा सकेगा।

सेन्ट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथारिटी द्वारा प्रकाशित "मैनुअल ऑन ट्रांसमिशन प्लानिंग" के अनुसार ट्रांसमिशन प्रणाली को (N-1) सेक्योरिटी लेवल स्थापित करना है। अर्थात किसी एक लाइन या ट्रांसफार्मर के बंद होने से विद्युत प्रदाय बाधित नहीं होना चाहिए। नियामक आयोग द्वारा स्वीकृत योजना में (N-1) सेक्योरिटी लेवल को स्थापित व बढ़ती हुई मांग के साथ भी जारी रखने हेतु आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।

आईपीओ (IPO) / Listing के अपने अनेक लाभ हैं, जैसे कि कम लागत वाली पूंजी (Low-cost Capital) पीएसयू को अपने विस्तार, आधुनिकीकरण या बुनियादी ढांचे (Infrastructure) के विकास

के लिए राज्य सरकार के बजट पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वह सीधे बाजार से कम लागत वाली इक्विटी पूंजी जुटा सकती है। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में बहुत बड़े निवेश (जैसे रू. 15,000 करोड़ से अधिक का निवेश योजना) की आवश्यकता है। लिस्टिंग के बाद, कंपनी नए शेयर जारी करके दीर्घकालिक फंड जुटा सकती है। लिस्टिंग से कंपनी की वास्तविक बाजार कीमत (Market Cap) का पता चलता है। इससे राज्य सरकार को अपनी छिपी हुई संपत्ति (Hidden Assets) के सटीक मूल्य का अंदाजा होता है। सेबी (SEBI) (सिक्योरिटी एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) और स्टॉक एक्सचेंजों के कड़े नियमों के कारण कंपनी में स्वतंत्र निदेशकों (Independent Directors) की नियुक्ति होती है। इससे पारदर्शिता बढ़ती है और वित्तीय प्रबंधन मजबूत होता है। विशेष रूप से पावर ट्रांसमिशन, इंफ्रास्ट्रक्चर या यूटिलिटी क्षेत्र के राज्य पीएसयू में जोखिम कम होता है। इस वजह से बड़े विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशक (FIIs/DIIs) इनमें दीर्घकालिक निवेश करने के लिए आकर्षित होते हैं।

आईपीओ (IPO)/Listing से निवेशकों के प्रति कंपनी के दायित्व बढ़ जाते है। लिस्टिंग के बाद कंपनी को तिमाही वित्तीय परिणाम घोषित करने होते हैं और सेबी के LODR (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एण्ड डिसक्लोजर रिक्वायरमेंट) नियमों का कड़ाई से पालन करना होता है।

उक्त सभी बिन्दुओं पर विचार-विमर्श उपरांत मंत्रि-परिषद् द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी (CSPTCL) को इनीशियल पब्लिक आफरिंग (IPO) प्रक्रिया के माध्यम से अपने शेयर्स को स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग करने हेतु अनुमति प्रदान की गई है। यहां स्पष्ट करना



महत्वपूर्ण है कि पारेषण कंपनी पर राज्य शासन का नियंत्रण पूर्ववत् बना रहेगा। राज्य के हितों को सर्वोपरि रखा जायेगा एवं कर्मचारी / अधिकारियों के कार्यप्रणाली में कोई अंतर नहीं आयेगा। जबकि अन्य सार्वजनिक उपक्रमों की तर्ज पर पारेषण कपंनी और बेहतर प्रदर्शन करेगी।

समग्र लाभों को ध्यान में रखते हुए, आईपीओ की संरचना को नए इक्विटी शेयरों (लगभग 5%) के निर्गमन और राज्य सरकार की मौजूदा शेयरधारिता (5%) की विनिवेश के प्रस्ताव के संयोजन के रूप में अनुशंसित किया जा सकता है, ताकि प्रमोटरों की हिस्सेदारी के न्यूनतम 10% विचलन (डायलूशन) की लिस्टिंग आवश्यकता को पूरा किया जा सके।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड का इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) राज्य के विद्युत पारेषण क्षेत्र के लिए एक दूरदर्शी और परिवर्तनकारी पहल है। आईपीओ के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने से कंपनी की बाजार में पहचान और विश्वसनीयता बढ़ेगी। साथ ही पारदर्शिता, कॉर्पोरेट गवर्नेंस और वित्तीय अनुशासन को और अधिक मजबूती मिलेगी। हमारी कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन लगातार मजबूत रहा है। उत्कृष्ट कार्यप्रणाली के कारण कंपनी को प्रतिष्ठित संस्थाओं से उच्च क्रेडिट रेटिंग प्राप्त हुई है। इसी आधार पर यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि आईपीओ के माध्यम से सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण होगी और कंपनी ऊर्जा क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगी। हमारा संकल्प है कि प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के अनुरुप आधुनिक, विश्वसनीय एवं सुरक्षित पारेषण नेटवर्क का विस्तार किया जाए, ताकि प्रत्येक क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।



राजेश कुमार शुक्ला
प्रबंध निदेशक
छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड



बिजली सप्लाई को बेहतर बनाने नई तकनीकों का करें उपयोग- सुबोध कुमार सिंह

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद की समीक्षा बैठक

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने डंगनिया स्थित मुख्यालय में जनरेशन, ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों की 08 मई को बैठक ली। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बिजली हर व्यक्ति के जीवन की मूलभूत आवश्यकता बन चुकी है और उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना पावर कंपनीज़ की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

श्री सिंह ने अधिकारियों से कहा कि विद्युत व्यवस्था को आधुनिक, तेज एवं उपभोक्ता केंद्रित बनाने के लिये नवीन टेक्नोलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अधिकतम उपयोग किया जाए। उन्होंने डाटा बेस्ड डिसिजन मेकिंग पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक एआई तकनीक का उपयोग कर विद्युत आपूर्ति, फॉल्ट मॉनिटरिंग, लोड प्रबंधन, उपभोक्ता शिकायत निवारण एवं सिस्टम मॉनिटरिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

श्री सिंह ने कहा कि पावर कंपनीज़ में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नई तकनीकों एवं आधुनिक कार्यप्रणाली से लैस किया जाना चाहिए, ताकि कार्य क्षमता, मॉनिटरिंग सिस्टम और उपभोक्ता सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार किया जा सके। उन्होंने तीनों कंपनियों के अधिकारियों की अलग-अलग बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में नए भवन निर्माण कार्यों में तेजी लाने, लंबित परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा उपभोक्ता सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए।अध्यक्ष श्री सिंह ने टोल फ्री कॉल सेंटर नंबर 1912 को और अधिक दक्ष बनाने तथा शिकायतों के निराकरण के रिस्पांस टाइम में तेजी लाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना पावर कंपनीज़ की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

बैठक में जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार, ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



नए भवन का निर्माण तेजी से पूरा करने के निर्देश

पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने जनरेशन कंपनी के अधिकारियों की अलग से बैठक ली। इसमें प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने कंपनी के सभी उत्पादन संयंत्रों की स्थिति की जानकारी दी। साथ ही भविष्य में लगने वाली परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि 1320 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट का कार्य आरंभ हो चुका है। इसे 660 मेगावाट की पहली यूनिट सितंबर 2029 और दूसरी यूनिट मार्च 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य है। साथ ही मड़वा में प्रस्तावित 800 मेगावाट के सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। श्री कटियार ने नवा रायपुर में तीनों कंपनियों के संयुक्त भवन के निर्माण कार्य आरंभ होने की जानकारी दी। इस पर अध्यक्ष श्री सिंह ने इसका काम तीव्र गति से पूरा करने के निर्देश दिए। इसमें जनरेशन कंपनी के सभी एचओडी, कार्यापालक निदेशक व मुख्य अभियंतागण उपस्थित थे।



लाइन लॉस कम करने का दिया नया लक्ष्य

पावर कंपनी के अध्यक्ष श्री सिंह ने डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सभी विभाग प्रमुखों के साथ ही क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य अभियंताओं की पृथक बैठक ली। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। श्री सिंह ने कहा कि सभी शासकीय भवनों में स्मार्ट मीटर से प्री-पेड बिलिंग की जाए। उन्होंने राजस्व वसूली में तेजी लाने कहा। उन्होंने कहा कि लाइन लास में कमी लाने के लिए आधुनिकतम तकनीकों का प्रयोग किया जाए। सभी फीडर स्मार्ट मीटर, डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद भी कहां से लाइन लास हो रहा है, इसका विश्लेषण किया जाए और उस पर ध्यान देकर उन्हें रोका जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की जानकारी ली और उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक इस योजना का लाभ दिलाने की बात कही।



छत्तीसगढ़ को पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान



प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार में छत्तीसगढ़ का चयन "माह का सौर अभियान – सर्वाधिक वेंडर पंजीयन" श्रेणी में व्दितीय स्थान के लिए किया गया है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत आयोजित 'मंथ ऑफ सोलर' अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा रहा है। यह उपलब्धि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य के सतत प्रयासों तथा जनभागीदारी का परिणाम है।

> प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त यह सम्मान पूरे प्रदेश और पावर कंपनीज परिवार के लिए गौरव का विषय है। मुझे विश्वास है कि इसी समर्पण और टीम भावना के साथ हम स्वच्छ ऊर्जा, उत्कृष्ट सेवा और जनकल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित करते रहेंगे।
>
> 
>
> **सुबोध कुमार सिंह**
> चेयरमेन
> छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़

भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव श्री संतोष सारंगी ने छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकास शील को पत्र के माध्यम से यह जानकारी दी। प्रमुख सचिव (ऊर्जा) तथा पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने इस उपलब्धि के लिये अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। यह सम्मान राज्य में सौर ऊर्जा अभियान के अंतर्गत सर्वाधिक वेंडर पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किया जा रहा है। इस श्रेणी में एक महीने में छत्तीसगढ़ ने 86 वेंडर पंजीयन दर्ज कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। इस तरह छत्तीसगढ़ में 1300 से अधिक वेंडर पंजीकृत हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ ने महिला स्वसहायता समूहों को भी वेंडर बनाया है। योजना के तहत 45 हजार 978 हितग्राहियों को केंद्र शासन से 353.20 करोड़ रुपये तथा 40 हजार 910 हितग्राहियों को राज्य शासन से 122.62 करोड़ रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हो चुकी है। इससे बड़ी संख्या में उपभोक्ता सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित हुए हैं। नई दिल्ली में 4 जून 2026 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी से छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री एन बिम्बीसार एवं ऊर्जा विभाग के उपसचिव श्री मनोज कोसले ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर उपभोक्ताओं को सस्ती, स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ बिजली बिल में कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। योजना के अंतर्गत अब तक 60,000 से अधिक हितग्राहियों को केंद्र सरकार की सब्सिडी तथा 48,000 हितग्राहियों को राज्य सरकार की अतिरिक्त सब्सिडी जारी की जा चुकी है।

जन अभियान बना घरों में सोलर संयंत्र लगाना

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना में लगातार तेजी आई है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को त्वरित स्वीकृति, नेट मीटरिंग एवं सब्सिडी प्रक्रिया का लाभ उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, 1 जुलाई 2026 की स्थिति में राज्य में 74,000 से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि 95,000 से अधिक संयंत्रों पर कार्य प्रगति पर है।

योजना के अंतर्गत अब तक 60,000 से अधिक हितग्राहियों को केंद्र सरकार की सब्सिडी तथा 48,000 हितग्राहियों को राज्य सरकार की अतिरिक्त सब्सिडी जारी की जा चुकी है, जिससे आम नागरिकों को स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

राज्य में अब तक 1,300 से अधिक सोलर विक्रेता (वेंडर) पंजीकृत हो चुके हैं तथा कुल स्थापित क्षमता 266 मेगावाट से अधिक हो गई है। वर्तमान में प्रतिदिन 500 से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना की जा रही है, जो राज्य की तीव्र प्रगति को दर्शाता है।

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक माह 50 से अधिक नए वेंडरों का पंजीयन हो रहा है। साथ ही, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए 7 महिला स्व-सहायता समूहों (SHGs) को भी सोलर वेंडर के रूप में सूचीबद्ध (Empanel) किया गया है, जिससे हरित ऊर्जा के साथ-साथ स्थानीय रोजगार एवं महिला उद्यमिता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापना पर आकर्षक सब्सिडी प्रदान की जा रही है। योजना के तहत 1 किलोवाट तक के सोलर संयंत्र पर 30 हजार रुपये, 2 किलोवाट तक पर 60 हजार रुपये तथा 3 किलोवाट अथवा उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर अधिकतम 78 हजार रुपये की केंद्रीय सब्सिडी प्रदान की जाती है।

इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भी उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित करने हेतु राज्य स्तर पर सहयोग प्रदान किया जा रहा है, इसमें 1 किलोवाट क्षमता के प्लांट पर 15 हजार रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है। साथ ही 2 व 3 किलोवाट के प्लांट पर 30 हजार रूपए की सब्सिडी राज्य सरकार प्रदान कर रही है। योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को दीर्घकालीन बिजली बचत, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छ ऊर्जा का लाभ मिल रहा है।



प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त सम्मान हम सभी के लिए गर्व का विषय है। यह पुरस्कार केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि राज्य में सौर ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने के हमारे सतत प्रयासों, उपभोक्ताओं के विश्वास तथा पूरी टीम की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह सम्मान हमें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी का लक्ष्य केवल निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करना नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र परिवार तक इस योजना का लाभ पहुंचाना है। पारदर्शी प्रक्रियाओं, त्वरित नेट मीटरिंग, उपभोक्ता-अनुकूल सेवाओं और प्रभावी जनजागरूकता के माध्यम से हमने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

भीम सिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
CSPDCL



नई दिल्ली में 4 जून 2026 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री एन बिम्बीसार एवं ऊर्जा विभाग के उपसचिव श्री मनोज कोसले को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का पुरस्कार प्रदान किया।

मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने निवास में लगवाया सोलर संयंत्र

कोरबा। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संचालित प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अपने कोहड़िया, कोरबा स्थित निवास में सोलर ऊर्जा प्रणाली स्थापित कर स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना न केवल उपभोक्ताओं के बिजली खर्च को कम करने में सहायक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को भी मजबूत बनाती है।



दुर्ग- छह हजार से अधिक उपभोक्ताओं का बिजली बिल हुआ शून्य



पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत दुर्ग रीजन में 06 हजार से अधिक उपभोक्ताओं का बिजली बिल अब शून्य आ रहा है, जबकि हजारों उपभोक्ता हर महीने आने वाली भारी-भरकम बिल से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं। रीजन में अब तक 24,657 उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनमें से 19,422 उपभोक्ताओं ने वेंडर का चयन कर लिया है। क्षेत्र में कुल 9,715 उपभोक्ताओं के घरों में लगभग 35.819 मेगावॉट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं।

पुराना गंज मंडी प्रांगण दुर्ग में सुशासन तिहार शिविर का आयोजन 25 मई को किया गया। शिविर में लगभग 35 उपभोक्ताओं ने योजना की बारीकियों को समझा व अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने की इच्छा जताई। अधिकारियों की मौजूदगी में ऑन-स्पॉट कार्रवाई करते हुए 12 उपभोक्ताओं का वेंडर के माध्यम से योजना के अंतर्गत सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन भी कराया गया।

सोलर संयंत्रों से कम हुआ संयुक्त परिवार का बिजली बिल

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिये बिजली बचत का सहारा बन रही है। इस योजना से संयुक्त परिवार को भी बड़ी राहत मिल रही है। रायपुर के डीडी नगर निवासी अजय देवांगन ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर में पांच-पांच किलोवाट क्षमता के दो सोलर संयंत्र स्थापित किए हैं। कुल 10 किलोवाट क्षमता वाले इन सोलर संयंत्रों के लगने के बाद उनके घर का बिजली बिल काफी कम हो गया है। अजय देवांगन का तीन भाइयों का संयुक्त परिवार एक साथ रहता है। घर में कुल 13 कमरे हैं, जहां नियमित रूप से एसी सहित अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग होता है। पहले अधिक बिजली खपत के कारण बिजली बिल भी ज्यादा आता था, लेकिन अब दिनभर सोलर पैनलों से बिजली उत्पादन होने के कारण बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है।

विधायक श्री इंद्रशाह मंडावी बने मिसाल, घर पर लगवाया सोलर प्लांट



मोहला-मानपुर के विधायक श्री इंद्रशाह मंडावी ने स्वयं प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को अपनाकर आम नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के सामने एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। उन्होंने आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर पंजीकृत वेंडर से संपर्क किया और अपने निवास पर 5 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट सफलतापूर्वक स्थापित करवाया। श्री मंडावी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि 5 किलोवाट के इस प्लांट के माध्यम से अब उनके घर की बिजली संबंधी अधिकांश आवश्यकताएं सौर ऊर्जा से ही पूरी होंगी। इससे सरकारी ग्रिड पर उनकी निर्भरता कम होगी और बिजली की बचत के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी।

ट्रांसमिशन कंपनी को बेहतरीन उपलब्धियों के लिए मिला एक्सीलेंस अवार्ड



आईईआई-इंडिया ने कोलकाता में आयोजित समारोह में की घोषणा

द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (आईईआई-इंडिया) ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी को बेहतरीन उपलब्धियों के लिये एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया है। यह पुरस्कार कोलकाता के दुर्गापुर में आयोजित 19 दिसंबर 2025 को आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य ट्रांसमिशन कम्पनी की इस विशेष उपलब्धियों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं चेयरमेन श्री सुबोध कुमार सिंह ने पॉवर कंपनी के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाइयां प्रेषित की है।

अवार्ड में मिले प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र कों प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला को उनके कार्यालय में ट्रांसमिशन कंपनी की मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्रीमती रश्मि वर्मा ने भेंट किया।

इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक श्रीमति अल्पना शरत तिवारी एवं कंपनी सचिव श्री अरूण मिश्रा विशेष रुप से उपस्थित थे।

CSPTCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) को भारत सरकार से साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह संस्था प्रतिवर्ष भारत में इंजीनियरों को प्रोत्साहित करने के लिए बेहतर परफॉर्मेंस करने वाले उद्योगों को "इंडस्ट्री एक्सीलेंस अवार्ड" देती है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने ट्रांसमिशन सिस्टम की उपलब्धता फैक्टर और ट्रांसमिशन लॉस नियंत्रित करने की उपलब्धि हासिल की है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा ट्रांसमिशन सिस्टम के उपलब्धता फैक्टर 99% रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके विरुद्ध ट्रांसमिशन कंपनी ने पिछले चार वर्षों में 99.77%, तक की ट्रांसमिशन सिस्टम की उपलब्धता बनाये रखी। साथ ही ट्रांसमिशन लॉस को पिछले वर्ष में 3.29% तक नियंत्रित किया।

ट्रांसमिशन कंपनी ने सर्वोच्च A++ रेटिंग बरकरार रखी

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने परिचालन उत्कृष्टता एवं सुदृढ़ वित्तीय प्रदर्शन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर प्रदर्शित किया है। पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) द्वारा राज्य विद्युत क्षेत्र की संस्थाओं के लिए निर्धारित श्रेणीकरण ढांचे के अंतर्गत किए गए मूल्यांकन में सीएसपीटीसीएल ने विभिन्न प्रदर्शन मानकों पर सर्वोच्च श्रेणी "A++" को पुनः प्राप्त करते हुए बरकरार रखा है। पीएफसी द्वारा किया गया यह मूल्यांकन परिचालन प्रदर्शन, वित्तीय प्रदर्शन, नियामकीय वातावरण, लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की उपलब्धता तथा राज्य विद्युत क्षेत्र की संस्थाओं पर लागू पीएफसी श्रेणीकरण नीति के अंतर्गत निर्धारित अन्य प्रासंगिक मानकों को सम्मिलित करता है।

सर्वोच्च श्रेणी में निरंतर मान्यता प्राप्त होना सीएसपीटीसीएल के कुशल संचालन, वित्तीय अनुशासन, नियामकीय अनुपालन तथा पारदर्शी सुशासन के प्रति उसके सतत प्रयासों को दर्शाता है। A++ श्रेणी बनाए रखने से ऋण प्रदान करने की रूपरेखा निर्धारित करने में निरंतर लाभ मिलने की अपेक्षा है, जिसमें ऋणों की ब्याज दरों एवं राज्य विद्युत उपक्रमों पर लागू सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं का निर्धारण भी शामिल है।

सुदृढ़ पारेषण नेटवर्क की नई उपलब्धियां

बढ़ती क्षमता, मजबूत पारेषण तंत्र और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति



छत्तीसगढ़ राज्य में बढ़ती विद्युत मांग को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा विद्युत पारेषण अधोसंरचना के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में नए अतिउच्चदाब उपकेंद्रों की स्थापना, पावर ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि तथा नई पारेषण लाइनों के निर्माण एवं ऊर्जीकरण के माध्यम से विद्युत तंत्र को अधिक सक्षम, विश्वसनीय और आधुनिक बनाया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना है, जिससे औद्योगिक, कृषि, वाणिज्यिक एवं घरेलू क्षेत्रों की बढ़ती आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके।

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन तथा प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह के नेतृत्व में विद्युत अधोसंरचना विकास के अनेक महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए जा रहे हैं। बीते एक वर्ष में अतिउच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या 135 से बढ़कर 141 हो गई है। एक वर्ष के भीतर छह अतिउच्चदाब उपकेंद्रों को ऊर्जीकृत किया गया है।

राज्य गठन के समय इन उपकेंद्रों की संख्या केवल 27 थी। इन प्रयासों से राज्य के पारेषण नेटवर्क की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता मजबूत हुई है तथा भविष्य की मांगों के अनुरूप सुदृढ़ आधार तैयार हुआ है।

धरसीवां उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर हुई 480 एमवीए



औद्योगिक क्षेत्र एवं शहरी इलाकों में बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए धरसीवां के कुथरेल 220/132 केवी उपकेंद्र की क्षमता बढ़ाकर 480 एमवीए कर दी गई है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने 8 जून 2026 को 220/132 केवी उपकेंद्र कुथरेल (धरसीवां) में 160 एमवीए क्षमता के नए पावर ट्रांसफॉर्मर को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया। इसके साथ ही उपकेंद्र की कुल क्षमता बढ़कर 480 एमवीए हो गई है और यह रायपुर का चौथा बड़ा 220 केवी सबस्टेशन बन गया है। इसके पूर्व उरला, सिलतरा और बोरझरा स्थित 220/132 केवी के तीनों उपकेंद्र 480-480 एमवीए क्षमता के साथ संचालित हो रहे हैं। इस क्षमता वृद्धि से आसपास के औद्योगिक, वाणिज्यिक एवं घरेलू उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी। साथ ही गर्मी के मौसम में बढ़ने वाले विद्युत भार के प्रबंधन तथा भविष्य की विद्युत मांग को पूरा करने में भी सहायता मिलेगी। कंट्रोल पैनल के माध्यम से ट्रांसफॉर्मर का ऊर्जीकरण किया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री अब्राहम वर्गीज, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर. के. तिवारी, कार्यपालन अभियंता (उपकेंद्र) श्री जितेंद्र कुमार झा, कार्यपालन अभियंता (परीक्षण संभाग) श्री कमंजय सिन्हा तथा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

132 केवी गैंदपुर–बैजलपुर लाइन का लीलो बेतर उपकेंद्र में

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 132 केवी गेंदपुर–बैजलपुर डीसीडीएस ट्रांसमिशन लाइन की लीलो लाइन बेतर उपकेंद्र को 8 जून को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। लगभग 12.53 किलोमीटर लंबाई की इस महत्वपूर्ण डबल सर्किट पारेषण लाइन के चालू होने से राज्य की पारेषण प्रणाली को और अधिक मजबूती प्राप्त होगी तथा संबंधित क्षेत्रों



में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार होगा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि यह लीलो लाइन प्रस्तावित 132/33 केवी उपकेंद्र बेतर (बेमेतरा) से जुड़ी है। इसके शीघ्र निष्पादन से संबंधित 132/33 केवी उपकेंद्र बेतर के ऊर्जीकृत होने का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है। उक्त उपकेंद्र का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है तथा इसके जुलाई 2026 के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण होने की संभावना है। चूंकि ट्रांसमिशन लाइन पूर्व से ही तैयार एवं चार्ज हो चुकी है, इसलिए उपकेंद्र का निर्माण कार्य पूर्ण होते ही उसे तत्काल चालू किया जा सकेगा तथा किसी अतिरिक्त विलंब की संभावना नहीं रहेगी। इस परियोजना से बेमेतरा, कबीरधाम तथा दाढ़ी क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

गैंदपुर–बैजलपुर डीसीडीएस लाइन के चालू होने से पारेषण नेटवर्क में वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ होगी, जिससे किसी एक लाइन में व्यवधान की स्थिति में भी उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निरंतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (लाइन) श्री संजय पटेल, कार्यपालक निदेशक, दुर्ग क्षेत्र श्री संजय आर. बी. खंडेलवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (लाइन) श्री पी. पी. सिंह, अधीक्षण अभियंता, दुर्ग श्री आर. के. मिश्रा, कार्यपालन यंत्री श्री डी. के. साहू तथा वितरण एवं पारेषण कंपनियों के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिलाई में 160 एमवीए का पॉवर ट्रांसफॉर्मर ऊर्जीकृत



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने 220/132 केवी उपकेंद्र, भिलाई में 160 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफॉर्मर की स्थापना की गई। इसे 07 जून को छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बटन दबाकर ऊर्जीकृत किया।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री शुक्ला ने परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों, अभियंताओं एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि सीएसपीटीसीएल राज्य की विद्युत पारेषण प्रणाली को आधुनिक, सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने के लिए निरंतर कार्यरत है तथा उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता (सब-स्टेशन) श्री अब्राहम वर्गीज, मुख्य अभियंता (सिविल) श्री संजय तिवारी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर. के. तिवारी सहित सीएसपीटीसीएल एवं सीएसपीडीसीएल के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि उपकेंद्र की क्षमता वृद्धि योजना के अंतर्गत पूर्व स्थापित 125 एमवीए पावर ट्रांसफॉर्मर की क्षमता को बढ़ाकर 160 एमवीए किया गया है।

220 केवी धमधा-गैंदपुर की डबल सर्किट लाइन ऊर्जीकृत



छत्तीसगढ़ में विद्युत आपूर्ति क्षमता को बेहतर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पावर ग्रिड के 765 केवी उपकेंद्र धमधा से स्टेट ग्रिड के लिए 220 केवी गैंदपुर की नई डबल सर्किट लाइन को स्थापित कर 16 मई को ऊर्जीकृत कर लिया गया है। इस लाइन के ऊर्जीकृत होने से केंद्रीय ग्रिड से पावर प्राप्त करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही इससे पांच जिलों में विद्युत आपूर्ति और अधिक विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण होगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला के हाथों इसे ऊर्जीकृत किया गया। श्री शुक्ला ने बताया कि दुर्ग जिले के धमधा-मेड़ेसरा स्थित पावर ग्रिड के 765/400/220 केवी उपकेंद्र से 220 केवी धमधा-गैंदपुर ट्रांसमिशन लाइन का सफल चार्जिंग एवं सिंक्रोनाइजेशन कर दिया गया है। इस डबल सर्किट लाइन के ऊर्जीकृत होने से 220 केवी के चार बड़े उपकेंद्र गैंदपुर (कवर्धा), मुंगेली, बेमेतरा एवं सुहेला में बिजली का आदान-प्रदान बेहतर हो सकेगा। पहले इसके लिए 220 केवी की तीन लाइनें थीं, जो अब बढ़कर पांच हो गई हैं। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (लाइन) श्री संजय पटेल, कार्यपालक निदेशक (पीसी एवं आरए) श्री के. एस. मनोठिया, कार्यपालक निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री वी. के. दीक्षित, मुख्य अभियंता (प्रोजेक्ट) श्री पी. गोसावी, मुख्य अभियंता (सब-स्टेशन) श्री अब्राहम वर्गीस, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मनोज राय सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दुर्ग में 132 केवी का नया सब-स्टेशन किया गया ऊर्जीकृत

दुर्ग जिले के ग्राम अंडा में स्थापित नए 132/33 केवी अतिउच्चदाब उपकेंद्र को 26 मई को ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बटन दबाकर ऊर्जीकृत किया।

ग्राम अंडा में स्थापित इस नए 132/33 केवी उपकेंद्र में 40 एमवीए क्षमता के दो पावर ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 30 करोड़ 50 लाख रुपये है। इस उपकेंद्र से 33 केवी के पांच फीडरों के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जाएगी। इससे अंडा, विनायकपुर, चंद्रखुरी, तिरगाझोला, कुथरेल, हनोदा, अंजोरा, मोहंदीपाट, निकुम, आलबरस, सकरौद, खप्परवाड़ा, रिसामा, चिंगरी, परसदा, ओटेबंद एवं देवरी सहित लगभग 38 ग्रामों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री के.एस. मनोठिया, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री संजय खंडेलवाल, ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता सर्वश्री अब्राहम वर्गीस, संजय तिवारी, प्रसन्ना गोसावी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर.के. तिवारी, अधीक्षण अभियंता सर्वश्री एस.के. भूआर्य, एस. कंवर, आर.के. मिश्रा, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री छगन शर्मा, सिद्धार्थ भवसार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



खैरागढ़ में 63 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत



राजनांदगांव जिले के खैरागढ़ स्थित 132/33 केवी अतिउच्चदाब उपकेंद्र में 63 एमवीए क्षमता के नए पावर ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने 26 मई को बटन दबाकर इसका शुभारंभ किया। श्री शुक्ला ने बताया कि खैरागढ़ उपकेंद्र में नए 63 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से उपकेंद्र की कुल क्षमता 40 एमवीए से बढ़कर 103 एमवीए हो गई है। इस क्षमता वृद्धि से छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 33 केवी के पांच फीडर मंडला, भैयाटोला, अतरिया, मुढ़ीपार तथा सिविल लाइन राजनांदगांव को अधिक विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इससे क्षेत्र में बढ़ती विद्युत मांग की पूर्ति के साथ-साथ उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा का लाभ मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में बीते एक वर्ष के दौरान अतिउच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या 135 से बढ़कर 141 हो गई है। राज्य गठन के समय यह संख्या मात्र 27 थी। इस अवसर पर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष शैलेट, ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता सर्वश्री अब्राहम वर्गीस, संजय तिवारी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर.के. तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोपका उपकेन्द्र में 160 एमव्हीए का पॉवर ट्रांसफार्मर शुरु



बिलासपुर के मोपका स्थित 220/132 केव्ही उपकेन्द्र में 160 एमव्हीए क्षमता का नया पॉवर ट्रांसफार्मर 23 जून को सफलतापूर्वक उर्जीकृत किया गया। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने पैनल का स्विच दबाकर नए ट्रांसफार्मर के माध्यम से विद्युत सप्लाई का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि मोपका उपकेन्द्र में 7 करोड़ रूपये की लागत से 160 एमव्हीए क्षमता का नवीन पॉवर ट्रांसफार्मर के उर्जीकरण होने से इस उपकेन्द्र की परिधि में आने वाले उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्तापूर्ण तथा बिना किसी रूकावट के बिजली मिल सकेगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (उपकेन्द्र) श्रीमती कल्पना घाटे, अति. मुख्य अभियंता श्री सतीश कुमार दुबे तथा उपकेन्द्र, एमआरटी एवं सिविल संभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस ट्रांसफार्मर के शुरू होने से बिलासपुर जिले के लगभग 50 प्रतिशत उपभोक्ताओं को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। ज्ञात हो कि 6 जनवरी 2026 को बिलासपुर स्थित मोपका उपकेन्द्र का पुराना ट्रांसफार्मर विफल हो गया था। पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नवीन पॉवर ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक स्थापित कर, विभागीय अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन में उर्जीकृत किया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा में विद्युत उपकेंद्र का किया भूमिपूजन



कबीरधाम जिले में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने और उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने की दिशा में छत्तीसगढ के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं सांसद श्री संतोष पाण्डे ने शहर के नवीन बस स्टैंड के समीप 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का 8 मई को भूमिपूजन किया। 2.06 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाला यह उपकेंद्र कवर्धा की विद्युत व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा। इस योजना में लगभग 2.06 करोड़ रूपए का व्यय आएगा, साथ ही उपकेंद्र की क्षमता 50 मेगावॉट होगी। इस योजना से लगभग 8614 उपभोक्ता लाभांवित होंगे। उपकेंद्र के निर्माण से क्षेत्र में लो-वोल्टेज की समस्या का निराकरण होगा साथ ही 24x7 गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति होगी।

विद्युत अधोसंरचना को मिल रही नई मजबूती

हर उपभोक्ता तक विश्वसनीय विद्युत सेवा का संकल्प

प्रदेश में विद्युत वितरण व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय एवं उपभोक्ता-केंद्रित बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आरडीएसएस योजना, मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना तथा अन्य योजनाओं के अंतर्गत विद्युत अधोसंरचना के विस्तार, क्षमता वृद्धि, नए उपकेंद्रों की स्थापना, अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मरों के ऊर्जीकरण, फीडर विभाजन तथा नेटवर्क सुदृढ़ीकरण के कार्य प्राथमिकता के साथ किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से विद्युत तंत्र की क्षमता बढ़ाने, वोल्टेज संबंधी समस्याओं के निराकरण, लाइन हानियों में कमी लाने तथा बढ़ती विद्युत मांग के अनुरूप बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के घरेलू, कृषि, वाणिज्यिक तथा औद्योगिक उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित और निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण विद्युत अधोसंरचना विकास कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए गए हैं।



कन्हारपुरी उपकेंद्र में कृषि पंपों के लिए अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

दुर्ग क्षेत्र के अहिवारा संभाग के 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कन्हारपुरी-धमधा में 3.15 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर 8 मार्च को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री संजय खंडेलवाल ने बताया कि इस सुदृढ़ीकरण से धमधा वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कन्हारपुरी, जातघर्रा, परसबोड़, खपरी, धरमपुरा, बिरझापुर और बसनी के लगभग 876 कृषि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली प्राप्त होगी।

पूर्व में यहाँ 3.15 एमवीए और 05 एमवीए के ट्रांसफार्मर स्थापित हैं, जिनमें अब इस नई इकाई के जुड़ने से कुल क्षमता में बड़ा इजाफा हुआ है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एच. के. मेश्राम, अधीक्षण अभियंता श्री आर. के. मिश्रा, कार्यपालन अभियंता श्री एस. के. राय, श्री डी. के. भारती एवं श्री टी. एल. सहारे सहित सहायक अभियंता श्री ए. के. धनकर एवं श्री डी. के. साहू, कनिष्ठ अभियंता श्री राहुल गोपलानी उपस्थित थे।

खरमोरा में 3.15 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर हुआ ऊर्जीकृत



बिलासपुर क्षेत्र के प्रधानमंत्री आवास दादर खरमोरा में 33/11 केवी नवीन विद्युत उपकेंद्र 3.15 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर का सफलतापूर्वक चार्ज किया गया। इस कार्य से पीएम आवास के लगभग 2800 परिवार सहित ग्राम ढेलवाडीह और आसपास के ग्रामों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। कार्यपालन अभियंता परियोजना आर.के. चौहान व एसटीएम संभाग की कार्यपालन अभियंता श्रीमती रश्मि देवांगन के मार्गदर्शन में कार्य संपन्न किया गया। परियोजना पूर्ण करने में संभाग के सहायक अभियंता सर्वश्री बीके धार्या, पाड़ीमार जोन के सहायक अभियंता केसी जोशी, टीएसजी की सहायक अभियंता अनुभा लकरा, कनिष्ठ अभियंता राकेश कंवर, प्रकाश कंवर का सहयोग रहा।

घोटमर्रा उपकेंद्र में लगा 05 एमवीए का ट्रांसफार्मर

दुर्ग क्षेत्र के साजा संभाग के देवरबीजा वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले 33/11 केवी घोटमर्रा उपकेंद्र की क्षमता बढ़ाने का कार्य 5 मई को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। यह कार्य कार्यपालक निदेशक श्री संजय खण्डेलवाल के मार्गदर्शन एवं अधीक्षण अभियंता श्री आरके मिश्रा के नेतृत्व में पुराने 3.15 एमवीए ट्रांसफार्मर को बदलकर 05 एमवीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत (चार्ज) किया गया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री एस.के. राय एवं श्री एम.के. शुक्ला, सहायक अभियंता श्री सी.एल. वर्मा, श्री जी.पी. बंजारे उपस्थित थे।

फीडर विभाजन से विद्युत व्यवस्था हुई सुदृढ़



आरडीएसएस योजना के अंतर्गत विद्युत वितरण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल हुई है। इसी कड़ी में दुर्ग के कर्मचारी नगर उपकेंद्र से निकले दो महत्वपूर्ण 11 केवी फीडरों का विभाजन कर 2 जून को सफलतापूर्वक चार्ज किया गया। इस तकनीकी सुधार से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति में व्यापक सुधार होगा और उपभोक्ताओं को निरंतर तथा गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलेगी। यह कार्य 44.13 लाख रुपए की लागत से पूर्ण किया गया।

परियोजना के तहत कर्मचारी नगर उपकेंद्र से निकले 11 केवी आईएचएसडीपी फीडर को विभाजित कर नया 11 केवी ओम नगर फीडर तैयार कर चार्ज किया गया है। इससे जवाहर नगर और बघेरा जोन के लिए अलग-अलग फीडर हो गए हैं, जो अब तक एक साथ संचालित हो रहे थे। दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय खंडेलवाल ने कहा कि उक्त दोनों नए फीडरों के चार्ज होने से बघेरा और जवाहर नगर जोन के ओम नगर, उरला, आईएचएसडीपी कॉलोनी, सिकोला, बायपास रोड, धमधा रोड, ट्रांसपोर्ट नगर, करहीडीह, बाफना गोल्फ कोर्स एवं आसपास के क्षेत्रों के लगभग 2500 उपभोक्ता सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। फीडरों के अलग होने से भार का वितरण संतुलित होगा, जिससे वोल्टेज की समस्या दूर होगी और फॉल्ट की स्थिति में भी सीमित क्षेत्र प्रभावित होगा, जिससे फॉल्ट खोजने एवं सुधार कार्य में आसानी होगी। यह कार्य क्षेत्र के उपभोक्ताओं को एक बड़ी राहत प्रदान करेगा।

सहसपुर लोहारा में विद्युत व्यवस्था होगी सुदृढ़: कारेसरा में नए विद्युत उपकेंद्र का पंडरिया विधायक ने किया लोकार्पण



मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत उपसंभाग सहसपुर लोहारा के ग्राम कारेसरा में ₹2 करोड़ 38 लाख 13 हजार की लागत से नवनिर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र का लोकार्पण पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा द्वारा 5 जून को किया गया।

वर्तमान में इस क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति एकमात्र संचालित 11 केवी चदेनी फीडर के माध्यम से हो रही है। लाइन की लम्बाई अत्यधिक होने के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों को लंबे समय से लो-वोल्टेज, बार-बार ट्रिपिंग और ब्रेकडाउन की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा था। इस नए उपकेन्द्र के ऊर्जीकृत (शुरू) होने से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह सुधर जाएगी। लगभग 10 ग्रामों के 1,300 से अधिक विद्युत उपभोक्ता प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। व्यवस्था को बांटने के लिए कारेसरा, बुधवारा एवं दनिया नाम से तीन नए 11 केवी फीडर का निर्माण किया गया है।

पावर कंपनी की उपलब्धियों के लिए जताया आभार

डॉ. रोहित यादव बनें वित्त विभाग के सचिव

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज मुख्यालय के सेवाभवन में 11 मई को आयोजित समारोह में अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव को वित्त विभाग के सचिव बनाए जाने पर शुभकामनाएं दी गईं एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष पद से विदाई दी गई। पावर कंपनी की ओर से प्रबंध निदेशकों ने डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

पावर कंपनीज के डंगनिया मुख्यालय स्थित सेवाभवन में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा में होने से राज्य शासन एवं केंद्र सरकार के मंत्रालयों में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करने का अवसर मिला, परन्तु पावर कंपनीज में कार्य करने का अनुभव अलग ही रहा। यहां के अधिकारी-कर्मचारियों की लगन, समर्पण और निष्ठा सराहनीय है। किसी भी लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिकारी-कर्मचारी पूरी तन्मयता से टीम वर्क के साथ कार्य करते हैं। उनके अनुभव, तथ्यों की समझ और स्पष्ट कार्यसंस्कृति सीखने योग्य है।

पावर कंपनीज के प्रबंध निदेशकगण श्री एस.के. कटियार (जनरेशन), श्री राजेश कुमार शुक्ला (ट्रांसमिशन) एवं श्री भीमसिंह कंवर (डिस्ट्रीब्यूशन) ने कहा कि पावर कंपनी ने डॉ. यादव के मार्गदर्शन में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, स्मार्ट मीटर सहित सभी योजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई। कार्यालय में ई-ऑफिस, बायोमेट्रिक अटेंडेंस को त्वरित गति से लागू किया गया। विभिन्न योजनाओं की मैदानी कठिनाइयों को समझते हुए प्रावधान किए गए, जिससे निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति



के लक्ष्य को पूरा करने में सफलता मिली। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने जनरेशन कंपनी को 76.44 प्रतिशत पीएलएफ के साथ विद्युत उत्पादन के लिए देशभर में तृतीय स्थान प्रदान किया। उपभोक्ता सेवा में सुधार के उपायों के कारण डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की रैंकिंग बी से ए हो सकी। ट्रांसमिशन कंपनी के वर्षों से लंबित प्रकरणों पर त्वरित निर्णय लेते हुए उनका निराकरण किया जा सका।

कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री वी.के. साय, श्री के.एस. मनोठिया, श्री संजय पटेल, श्री एम.एस. चौहान, श्री संदीप मोदी, श्री एस.के. ठाकुर, श्री एम.एस. कंवर, श्री सी.एल. नेताम, श्री संजय खंडेलवाल, श्री एम. जामुलकर, श्री संजीव सिंह, श्रीमती रश्मि वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। संचालन प्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविंद पटेल ने किया।



केबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग में वितरण कंपनी के अधिकारियों की ली बैठक



छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने 3 जून को दुर्ग स्थित पीडब्ल्यूडी सभागार में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी दुर्ग रीजन के अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में दुर्ग एवं बेमेतरा जिले में विद्युत वितरण कार्यों, उपभोक्ता सेवाओं और आगामी भविष्य की योजनाओं पर व्यापक चर्चा किया गया। मंत्री श्री यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्युत विभाग अपनी कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाए, ताकि आम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली सेवा मिल सके और लंबित कार्यों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित हो।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्ग श्रीमती सरस्वती बंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष बेमेतरा श्रीमती कल्पना तिवारी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दुर्ग श्री पवन शर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, जनपद पंचायत अध्यक्ष साजा श्री जितेन्द्र साहू, विभिन्न नगर पंचायतों के अध्यक्षगण श्री विशाल देशलहरा (बेरला), श्री संदीप परगनिहा (भिंभौरी), श्री देशू राम साहू (परपोड़ी), श्रीमती श्वेता अग्रवाल(धमधा), श्री विद्यानंद कुशवाहा(अहिवारा), श्रीमती मीना वर्मा(कुम्हारी), श्री योगेश निक्की भाले(पाटन) एवं दुर्ग तथा बेमेतरा जिले के अन्य जनप्रतिनिधियों सहित डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय खंडेलवाल, अधीक्षण अभियंता द्वय श्री आर.के.मिश्रा एवं श्री जे.जगन्नाथ प्रसाद, कार्यपालन अभियंता श्री छगन शर्मा, श्री आर.के.दानी, श्री डी.के.भारती, श्री नवीन कुमार राठी, श्री टी.एन.बन्छोर, श्री जे.एस. भटनागर, श्री मनीष शुक्ला, श्री टी.एल. सहारे एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

माटरा उपकेंद्र का किया लोकार्पण

श्री गजेन्द्र यादव ने 04 जून को दुर्ग जिले के ग्राम माटरा (धमधा) में नवनिर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण किया। लगभग 02 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से तैयार यह उपकेंद्र क्षेत्र के 16 गांवों के हजारों उपभोक्ताओं और किसानों के लिए वरदान साबित होगा। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता की सराहना करते हुए कहा कि मात्र छह महीने के रिकॉर्ड समय में भूमिपूजन से लेकर लोकार्पण तक का सफर पूरा करना विभाग की तत्परता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में खेती और सब्जी-भाजी के कार्य के लिए बोरवेल की संख्या अधिक होने के कारण बिजली का लोड लगातार बढ़ रहा था। अब इस नए उपकेंद्र के माध्यम से किसानों को कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त और उच्च गुणवत्ता वाली निर्बाध बिजली उपलब्ध हो सकेगी, जिससे फसलों की पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार आने वाले समय में दारगांव में सोलर पैनल लगाने की योजना पर काम कर रही है, ताकि बिजली की उपलब्धता और बेहतर हो सके।



पावर कंपनी के सहयोग से एनआईटी में बन रहे अनुसंधान केंद्र के भूमिपूजन में शामिल हुए एमडी



छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) पहल के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर को रिसर्च एवं डेवलपमेंट के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है, जिसके तहत प्रस्तावित ग्रिड रिसर्च इंटेलिजेंस एंड डायग्नोस्टिक सेंटर का भूमिपूजन 29 मई को एनआईटी परिसर में हुआ। इसमें एनआईटी रायपुर के शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. सुरेश हावरे, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला तथा एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन.वी. रमना राव शामिल हुए। इस केंद्र की स्थापना का उद्देश्य विद्युत ग्रिड से संबंधित अनुसंधान को बढ़ावा देना, उन्नत डायग्नोस्टिक तकनीकों के विकास को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों के कौशल विकास हेतु आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यह पहल उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के मध्य सहयोग को सुदृढ़ करने के साथ-साथ ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार एवं अनुसंधान को नई दिशा प्रदान करेगी। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने इस पहल को प्रदेश के ऊर्जा एवं तकनीकी क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

टेक्नोलॉजी डे सेलिब्रेशन पर हुआ व्याख्यान

एनआईटी रायपुर एवं सीआईआई द्वारा "टेक्नोलॉजी डे सेलिब्रेशन" कार्यक्रम में "ग्रिड पर ऊर्जा मिश्रण एवं ऊर्जा भंडारण से उत्पन्न चुनौतियां" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला एवं जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार शामिल हुए। श्री शुक्ला ने अपने वक्तव्य में बदलते ऊर्जा परिदृश्य, नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते उपयोग, ग्रिड स्थिरता तथा ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने भविष्य की विद्युत प्रणाली को अधिक विश्वसनीय एवं संतुलित बनाने हेतु आधुनिक ट्रांसमिशन नेटवर्क एवं स्मार्ट ग्रिड तकनीकों के महत्व को रेखांकित किया। त्रिपुरा विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री हेमंत वर्मा ने भी इसमें व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव



ने उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के सदस्य श्री अजय सिंह तथा सचिव श्री सूर्यप्रकाश शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित थे।

बिजली बहाली की चिंता में रात भर डटा रहा बिजली अमला







दुर्ग में 19 मई की शाम आए भीषण आंधी-तूफान के कारण जिले के शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा इस भयावह स्थिति और सीमित कर्मचारियों के बावजूद, बिजली विभाग ने आस-पास के कार्यालयों के लाइन स्टाफ और फ्यूज ऑफ कॉल ठेकेदारों की मदद से अतिरिक्त टीमें बनाकर युद्ध स्तर पर सुधार कार्य शुरू किया। कनिष्ठ और सहायक अभियंताओं के नेतृत्व में तकनीकी अमले ने पहले सभी 33 केवी फीडर्स को सेक्शनाइज कर अधिकतम क्षेत्रों की बिजली चालू की और फिर फॉल्ट दुरुस्त कर शेष क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बहाल की। इस त्वरित प्रबंधन का नतीजा रहा कि अधिकांश उपभोक्ताओं को मात्र दो घंटे के भीतर राहत मिल गई, बड़े फॉल्ट को भी रात-दिन एक करके सुबह तीन बजे तक ठीक कर लिया गया, शेष फॉल्ट को भी शीघ्र सुधारा गया। तूफान के कारण दुर्ग जिले में लगभग 60 एचटी एवं एलटी बिजली के खंभे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इसके साथ ही दुर्ग-भिलाई शहर के 15 से अधिक मुख्य स्थानों पर विशालकाय पेड़ों की शाखाएं सीधे बिजली लाइनों पर आ गिरी, जिससे तार टूटकर सड़कों पर बिखर गए। तकनीकी रूप से वितरण प्रणाली को गहरा झटका लगा, जिसके तहत 400 ट्रांसफार्मरों के डीओ फ्यूज और 700 ट्रांसफार्मरों के एलटी फ्यूज उड़ गए। जब भीषण आंधी-तूफान के साथ बारिश होती है, तो लोगों द्वारा घरों पर लगाए गए झंडे, सड़कों और इमारतों के किनारे लगे फ्लैक्स व होर्डिंग्स एवं पेड़ों की शाखएं उड़कर लाइनों में चिपक जाते हैं तथा कड़कड़ाती बिजली चमकने से इंसुलेटर पंचर हो जाते हैं।

क्रीड़ा परिषद की गतिविधियों के लिए बजट स्वीकृत

13 मई को छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद की बैठक मुख्यालय स्थित सेवा भवन में आयोजित हुई। बैठक में परिषद के अध्यक्ष एवं जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने परिषद की गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।



बैठक में वर्षभर आयोजित होने वाली क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के वार्षिक कैलेंडर पर विस्तार से चर्चा की गई तथा विभिन्न आयोजनों के सफल संचालन के लिए बजट को स्वीकृति प्रदान की गई। इस अवसर पर परिषद के महासचिव एवं कार्यपालक निदेशक (वित्त) श्री एमएस चौहान एवं ऑल इंडिया पावर कंपनी कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष एवं कार्यपालक निदेशक श्री केएस मनोठिया विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में परिषद के सचिवगण श्री राजेश सिंह, विनय चंद्राकर, चांदनी दुबे, अमृता व्यास उपस्थित थीं।

ED (O&M) बने संजय खंडेलवाल, शैलेट दुर्ग ईडी

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) [ED (O&M)] के पद पर श्री संजय खंडेलवाल की नियुक्ति की गई है। वे पूर्व में दुर्ग के कार्यपालक निदेशक के पद पर कार्यरत थे। वहीं, राजनांदगांव के कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष शैलेट का स्थानांतरण दुर्ग क्षेत्रीय कार्यालय में किया गया है।




छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी की मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्रीमती रश्मि वर्मा द्वारा उक्त आदेश जारी किए गए हैं। इसके साथ ही ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा पदोन्नति के दो आदेश भी जारी किए गए हैं। इनके तहत छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री दिलीप कुमार भोजक एवं श्री एच.के. मेश्राम को मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नत किया गया है। श्री भोजक को मुख्य अभियंता (सतर्कता) तथा श्री मेश्राम को मुख्य अभियंता, राजनांदगांव का प्रभार सौंपा गया है।

मड़वा के क्लोरीनेशन प्लांट में गैस लीकेज का मॉकड्रिल



अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा में 11 मई को क्लोरीनेशन प्लांट में मॉकड्रिल किया गया। आपात स्थिति नियंत्रक केंद्र ने केवल 2 मिनट में रिस्पांस करते हुए अग्निशमन कर्मचारी अपने वाहन के साथ पहुंचकर तुरंत ही क्लोरीनेशन प्लांट के सामने पानी की बौछार कर एक वाटर कर्टेन तैयार किया ताकि वहां पर क्लोरीन गैस के रिसाव को रोका जा सके। क्लोरीनेशन प्लांट के अंदर एक कर्मचारी हताहत पाया गया जिसे अग्निशमन कर्मचारियों द्वारा रेसक्यू किया गया। वरिष्ठ रसायनज्ञ श्री बीसी. बघेल के अनुसार क्लोरीनेशन प्लांट में टोनर को बदलने के बाद क्लोरीन गैस का रिसाव रोकने के लिए पूर्वाभ्यास (मॉकड्रिल) किया गया। आपात स्थिति नियंत्रक केंद्र द्वारा त्वरित रूप से अग्निशमन विभाग, सुरक्षा विभाग, संधारण विभाग एवं औद्योगिक स्वास्थ्य केंद्र को सूचना दी गई। विद्युत संयंत्र में चार बार रूक रूक कर सायरन बजाया गया। इस सायरन से संयंत्र में क्लोरीन गैस रिसाव की आनसाइट इमरजेंसी की सूचना दी जाती है। यह संरक्षा विभाग की ओर से आयोजित पूर्वाभ्यास था। पूर्वाभ्यास का आयोजन सहायक संचालक (औद्योगिक स्वास्थ्य एवं संरक्षा) श्री अश्वनी पटेल के मार्गदर्शन एवं मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया के निर्देशन में किया गया। पूर्वाभ्यास के बाद स्थिति सामान्य होने पर मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया को अग्निशमन विभाग, सुरक्षा विभाग एवं अन्य संबंधित विभाग ने क्रमशः रेसक्यू ऑपरेशन की रिपोर्टिंग दी।

इस पूर्वाभ्यास में अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री आलोक लकरा, एन. लकरा, मुख्य रसायनज्ञ अभय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) श्री एन. साहा, कार्यपालन अभियंता श्री नरेंद्र कुमार देवांगन, सहायक अभियंता श्री विजय कुमार बर्मन, अग्निशमन अधिकारी श्री एमके. रायकवार समेत चिकित्सा विभाग एवं सुरक्षा विभाग के कर्मी शामिल हुए।

ताइक्वांडो प्रशिक्षण से बच्चों में बढ़ा है आत्मविश्वास



हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के रविंद्र सांस्कृतिक भवन (सीनियर क्लब) में 1 से 10 जून तक ताइक्वांडो का प्रशिक्षण पूरा हुआ। जिला प्रशासन और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस खेल प्रशिक्षण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता श्री एचके. सिंह शामिल हुए। जिला प्रशासन द्वारा एचटीपीएस को ताइक्वांडो प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई थी।

निशुल्क स्वास्थ्य जॉच शिविर एवं दवाईयों का वितरण



डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व द्वारा 5 मई को ग्राम पंचायत भवन बेनदर कोना एवं 11 जून को गोढ़ी में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें अधीक्षण अभियंता श्री एनएस ठाकुर, डॉ. प्रज्ञा चन्द्रा, एवं डॉ. कान्हा कृष्णा अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे।



सांस्कृतिक संध्या पर कला मंच पर उतरे सितारे

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी के केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वाधान में 19 जून को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में अधिकारियों कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा आपसी समन्वय और सौहार्द को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक उत्पादन श्री एस के कटियार,प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन श्री आरके शुक्ला ,प्रबंध निदेशक डिस्ट्रीब्यूशन श्री भीम सिंह कंवर उपस्थित थे। प्रबंध निदेशकों ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन कर्मचारियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा कार्यस्थल पर बेहतर सामंजस्य स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सांस्कृतिक संध्या में कंपनी के विभिन्न कार्यालयों एवं इकाइयों से 25 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 16 प्रतिभागियों ने गायन प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं का मन मोह लिया, वहीं 9 प्रतिभागियों ने नृत्य प्रस्तुत कर अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यपालक निदेशक वित्त श्री एम एस चौहान ने रूप तेरा मस्ताना गीत पर सैक्सोफोन वाद्य यंत्र के माध्यम से एक मधुर प्रस्तुति देखकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस समावेशी कार्यक्रम में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी से लेकर कार्यपालक निदेशक पद के कलाकारों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।



इस अवसर पर प्रतिभागियों ने हिंदी फिल्मी गीतों तथा पारंपरिक एवं आधुनिक नृत्य शैलियों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम का आनंद लिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री के एस मनोठिया श्री संजय पटेल, मुख्य अभियंता श्री प्रसन्ना गोसावी एवं मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री श्रीनिवास राव विशेष रूप से उपस्थित थे।



परिचयावली



श्री सुरेश कुमार चक्रवर्ती

कार्यपालक निदेशक
(सतर्कता- एचटीएफएस)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक सतर्कता (एचटीएफएस) के पद पर पदस्थ श्री सुरेश कुमार चक्रवर्ती का जन्म 1 जुलाई, 1964 को जबलपुर में हुआ। पिता का नाम स्व श्री खुशी लाल एवं माता का नाम श्रीमती कली बाई है। श्री सुरेश कुमार का जन्म एक साधारण एवं मेहनतकश परिवार में हुआ, जन्हां उनके 6 भाई एवं 4 बहनें हैं। आपके माता-पिता औपचारिक शिक्षा से भी वंचित थें किन्तु उन्होंने शिक्षा के महत्व को भली भांति समझा और अपने पुत्र की प्रतिभा, पढ़ाई के प्रति समर्पण , अथक परिश्रम को देखते हुए उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद आपको उच्च शिक्षा देने के लिए संकल्पित रहे। परिणामस्वरूप वर्ष 1981 मे उच्चतर माध्यमिक की पढ़ाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रांझी जबलपुर से करने उपरांत वर्ष 1988 मे शासकीय अभियांत्रिक महाविद्यालय जबलपुर से बीई(ईलेक्ट्रीकल्स) की उपाधि प्राप्त की।

विद्युत क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं और समर्पित कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले श्री चक्रवर्ती ने वर्ष 1991 में मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में स्नातक प्रशिक्षु के रूप में कार्यालय संधारण संचारण (डी आई डब्ल्यू) एसटीआरई की शाखा में पदस्थापना मिली। प्रशिक्षण उपरान्त वर्ष 1994 में सहायक अभियंता के नियमित पद पर कोरबा टीएसजी में पदस्थ किये गए। इस पद पर चांपा संचा/संधा में वर्ष 1999 से 2003 तक कार्यरत रहे। इसी वर्ष कार्यपालन अभियंता के पद का अतिरिक्त प्रभार प्राप्त कर कवर्धा पदस्थ किये गए जहां 10 माह कार्य करने उपरान्त कार्यपालन अभियंता के पद पर वर्ष 2003 में प्रथम पदोन्नति प्राप्त कर मनेन्द्रगढ़ में पदस्थ किये गए। यहां कुछ माह कार्य करने उपरान्त रायपुर सतर्कता कार्यालय में स्थानांतरित किये गए। सतर्कता विभाग में 5 वर्ष की लम्बी अवधि में कार्यों की बारिकियों का अध्ययन कर वर्ष 2008 में श्याम जी राईस मिल (राजिम) एसटी कनेक्शन में विद्युत चोरी पकड़ने की बड़ी कार्यवाही आपके द्वारा की गई, जिसके लिए आपको तत्कालीन अध्यक्ष श्री पी जॉय ओम्मेन द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर पुरस्कृत किया गया।

वर्ष 2009 में राजिम में संधारण/संचारण कार्यालय की जिम्मेदारियां को पूर्ण करते हुए, सतर्कता विभाग रायगढ़ की महत्ती जिम्मेदारी मिली। वर्ष 2011 मे अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नित प्राप्त कर कांकेर जिल के संधारण /संचारण कार्यालय में पदस्थापना मिली। यहां 5 वर्ष की कार्यअवधि में विद्युत वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं उपभोक्ता सेवाओं मे सुधार तथा संगठनात्मक कार्यकुशलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। वर्ष 2017 में अधीक्षण अभियंता सतर्कता रायपुर के कार्यों का निष्ठापूर्वक निष्पादन करते रहें। इसी पद पर कोरबा संधारण/संचारण कार्यालय की जिम्मेदारियां भी मिली। वर्ष 2023 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नित प्राप्त कर रायपुर ईआईटीसी कार्यालय में कार्यरत रहे। वर्ष 2025 में मुख्य अभियंता सर्तकता एवं वर्ष 2026 में कार्यपालक निदेशक सतर्कता (एचटीएफएस) के शीर्ष पद का गौरव प्राप्त हुआ। इस प्रकार आपने छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में विद्युत अधोसंरचना एवं अनियमितताओं की रोकथाम , शिकायतों के निष्पक्ष निराकरण ,निवारक सतर्कता उपायों के क्रियान्वयन में उनका सराहनीय योगदान रहा।

आपने कार्यप्रणाली में अभिवृद्धि हेतु समय-समय पर प्रशिक्षण लिया गया इस संदर्भ में विद्युत चोरी विषयक पर हैदराबाद में प्रशिक्षण एवं स्काडा से संबंधित शिवपुरी, रुड़की, हैदराबाद में प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। कार्य के अलावा समाजिक एवं अध्यात्मिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के साथ गायत्री परिवार से जुड़ कर समाजिक उत्थान हेतु कई कार्य किये। अपनी शिक्षा एवं ज्ञान का सदुपयोग करते हुए परिवार के बच्चों को इंजीनियर बनाने मे सहयोग किये। परिवार मे पत्नी श्रीमती सत्याभामा चक्रवर्ती परिवार की जिम्मेदारियों को बखूबी निर्वहन कर रही है। पुत्री संघमित्रा चक्रवर्ती नीट की तैयारी कर रही है एवं पुत्र देवार्षि चक्रवर्ती मुम्बई क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिये हैं और खेल जगत में अपना करियर बनाना चाहते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस



संजय पटेल

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को सामूहिक योगाभ्यास किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के सदस्य श्री विवेक गनोदवाले तथा प्रबंध निदेशकगण श्री एस.के. कटियार एवं श्री राजेश कुमार शुक्ला ने भाग लेकर स्वस्थ जीवन और संतुलित दिनचर्या का संदेश दिया। कार्यक्रम में विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया गया तथा नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया गया।



खेलन यादव



विराध्या वर्मा

योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता, सकारात्मक ऊर्जा और कार्यक्षमता में भी वृद्धि करता है। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ एवं निरोग जीवन के लिए नियमित योग करने का संदेश दिया।

पावर कंपनी मुख्यालय स्थित लोड डिस्पेच सेंटर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षक डॉ. आनंद भारतीय ने योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास करवाया। इसके पश्चात कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने शीर्षासन एवं मयूरासन प्रस्तुत किया, वहीं नन्हीं बच्ची विराध्या वर्मा ने सेतुबंधासन का प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। गुढ़ियारी के खेलन यादव ने बकासन तथा सेवानिवृत्त कर्मी डॉ. मूल सजीवन शर्मा (बीएचएमएस) ने भी शीर्षासन का प्रदर्शन किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डायटिशियन सुश्री शिल्पी गोयल ने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार, पर्याप्त धूप, स्वच्छ हवा एवं शुद्ध जल के महत्व पर प्रकाश डाला। योगाभ्यास के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की कार्यालय सहायक सुश्री अनिता गेडाम तथा जनरेशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री एम.पी. नायक को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री के.एस. मनोठिया, मुख्य अभियंता श्रीमती रश्मि वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एल. पंचारी, डीजीएम श्री पंकज सिंह, एसई श्री पंकज चौधरी तथा एई श्री रजनीश चौबे उपस्थित थे। मंच संचालन डीजीएम (जनसंपर्क) श्री गोविन्द पटेल ने किया।



डॉ. मूल सजीवन शर्मा





पर्यावरण संरक्षण का संदेश उकेरा कैनवास पर



हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम में विश्व पर्यावरण सप्ताह के तहत विभिन्न कार्यकम रखे गए। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एचके. सिंह ने सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई और पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए साइकिल रैली निकाली गई।

सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) श्री विकास उइके ने बताया कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम-" प्रकृति से प्रेरित होकर जलवायु और भविष्य का संरक्षण करें" है। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एमके. गुप्ता, श्री एसके नायर और परियोजना प्रबंधक श्री एसके. पंड्या एवं संकल्प महिला मंडल ने हिस्सा लिया। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एमके. गुप्ता, श्री एके. शाह, श्री आरके. पांडे, श्री पीके. जोशी, श्री केएनबी. राव, श्री एसके नायर एवं श्री एससी. पाठक, परियोजना प्रबंधक श्री एसके पंड्या, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री एके. कुरनाल और संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रुक्मणी सिंह ने पौधे रोपित किए। कार्यक्रम में रायपुर से अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सीएंडआरए) विनय पांडेय की भी उपस्थिति रहे।

पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में जरूरी है सबकी संयुक्त सहभागिता: कोसरिया

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस) मड़वा में 30 मई से 5 जून तक विश्व पर्यावरण संरक्षण सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारियों, बच्चों एवं गृहणियों के बीच जागरुकता लाने के लिए हरित प्रतिज्ञा, पर्यावरण आधारित चलचित्र का प्रदर्शन, पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान, पोस्टर बनाओ, निबंध व नारा प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम एवं सफाई अभियान चलाया गया।

विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अभियंता एच.एन. कोसरिया एवं अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में अनाया बंजारे, श्रेयांशी खुराना एवं दिविशा चंद्राकर, एस. रिद्धी, अनाया लकरा एवं कृति कश्यप, भाव्या नेताम, रूपांशी देवांगन व सेजल साहू पुरस्कृत हुए। नारा प्रतियोगिता में मीना कंवर, सतीश यदु, डॉ. विकेंद्र सिंह को पुरस्कार मिला। निबंध प्रतियोगिता में डॉ. विकेंद्र सिह, रुद्र कंवर एवं महेंद्र हंशराज, पूनम पटेल, नेहा मिश्रा एवं अर्पणा झा और निबंध प्रतियोगिता में रूचि देवांगन, श्वेता परप्यानी एवं पूनम पटेल विजयी को पुरस्कृत किया गया। पौधरोपण अभियान में अधिकारियों, कर्मचारियों, महिला मंडल



एवं बच्चों ने मिलकर सहभागिता निभाई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एसडी. द्विवेदी, श्री आलोक लकरा एवं श्री एन. लकरा उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वय अधीक्षण अभिंयता श्री एन. साहा, संचालन श्री संजय कुमार झा ने किया।

पर्यावरण संरक्षण हेतु लिया गया संकल्प एवं किया गया वृक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व में जन-जागरूकता अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं का आयोजन 3 जून से 5 जून तक किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता (उत्पा.) श्री संजीव कंसल, अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं श्री सुनील सरना, श्री एल.एन. सूर्यवंशी, एवं वरि. मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी द्वारा वृक्षारोपण किया गया। साथ ही तीन दिवसीय आयोजन में चित्रकला प्रतियोगिता, रोचक प्रश्नमंच एवं पीपीटी के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता पर व्याख्यान दिया गया।



पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक सहभागिता का लिया गया संकल्प



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ पावर ट्रांसमिशन कंपनी के कर्मशाला संभाग के अंतर्गत संचालित औषधालय, भिलाई में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन 5 जून को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. मंजुला साहू (अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी) एवं डॉ. निलेश सिंह (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी) के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्रीमती बरखा दुबे, कार्यपालन यंत्री, कर्मशाला तथा डॉ. आर.के. साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

डीएसपीएम में नर्सेस डे पर हॉस्पिटल कर्मियों का किया सम्मान

डॉ श्यामा प्रसाद ताप विद्युत गृह स्थित मुख्य चिकित्सालय में नर्सेज डे हर्ष और उल्लास से मनाया गया संयंत्र के मुख्य अभियंता संजीव कंसल ने चिकित्सालय की सभी नर्सों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। वहां उपस्थित अधिकारियों द्वारा चिकित्सालय मैं कार्यरत सभी नर्सों का पुष्प देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर अति मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सी पी जयसवाल एडवाइजर डॉ. सतीश खरे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे पी सोनी डॉ. निरंजना गाभेल डॉ अभिषेक रामटेके चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रज्ञा चंद्रा डॉक्टर गरिमा नायडू डॉक्टर कान्हा कृष्ण अग्रवाल एवं चिकित्सालय के सभी स्टाफ वहां उपस्थित थे।



उम्र नहीं, संकल्प दौड़ता है

स्वास्थ्य, अनुशासन और निरंतर प्रयास की प्रेरक यात्रा



स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि कार्यक्षमता, आत्मविश्वास और सकारात्मक जीवन दृष्टि का आधार भी है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा (पूर्व) में अधीक्षण अभियंता के पद पर कार्यरत श्री अजय कुमार शर्मा का जीवन इसी विचार का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है। 61 वर्षीय श्री शर्मा ने अपने लंबे सेवाकाल के दौरान यह सिद्ध किया कि यदि संकल्प दृढ़ हो, तो उम्र कभी भी उपलब्धियों के मार्ग में बाधा नहीं बनती। श्री शर्मा का खेलों से जुड़ाव विद्यार्थी जीवन से ही रहा है। स्कूल के दिनों में वे नियमित रूप से टेबल टेनिस खेलते थे। विद्युत कंपनी में तीन बार तत्कालीन मध्य प्रदेश विद्युत मंडल की टेबल टेनिस टीम के साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

समय के साथ शिफ्ट ड्यूटी, साथी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता, घुटने की चोट तथा व्यस्त दिनचर्या के कारण टेबल टेनिस से दूरी बन गई, लेकिन स्वस्थ रहने का संकल्प कभी कमजोर नहीं पड़ा। शिफ्ट ड्यूटी के दौरान फिटनेस बनाए रखने के उद्देश्य से उन्होंने घर पर ट्रेडमिल पर दौड़ना शुरू किया। यही निर्णय उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत बना।



50 वर्ष की आयु में उन्होंने नियमित रूप से दौड़ना प्रारंभ किया। शुरुआती दिनों में कुछ किलोमीटर की दौड़ भी चुनौतीपूर्ण लगती थी, लेकिन निरंतर अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति ने धीरे-धीरे आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया।

52 वर्ष की आयु में वर्ष 2016 में नागपुर में उन्होंने अपनी पहली 21.1 किलोमीटर की हाफ मैराथन पूरी की। इस अनुभव ने उन्हें यह महसूस कराया कि दौड़ केवल शरीर की नहीं, बल्कि मन और विचारों की भी यात्रा है। लगभग दो घंटे की इस दौड़ के दौरान जब कदमों की ताल और साँसों की लय एकाकार हो जाती है, तब एक अनूठी मानसिक शांति का अनुभव होता है। यह समय स्वयं से संवाद करने, अपनी सीमाओं और क्षमताओं को पहचानने तथा जीवन के अर्थ को नए दृष्टिकोण से समझने का अवसर बन जाता है। इसके बाद उन्होंने दिल्ली, नागपुर, विशाखापट्टनम, मुंबई, बोकारो, रायपुर, कोरबा, अबूझमाड़ और जीभी सहित देश के अनेक शहरों में अब तक 18 से अधिक हाफ मैराथन सफलतापूर्वक पूरी की हैं। नियमित अभ्यास उनके जीवन का हिस्सा बन चुका है और वे प्रत्येक सप्ताहांत हाफ मैराथन दूरी का अभ्यास करते हैं।

उल्लेखनीय उपलब्धियों में उन्हें एशिया की सबसे बड़ी एवं भारत की सबसे प्रतिष्ठित टाटा मुंबई मैराथन में चार बार भाग लेने का अवसर मिला। जनवरी 2026 में आयोजित टाटा मुंबई मैराथन में उन्होंने 1 घंटा 58 मिनट 26 सेकंड का समय लेकर 60–64 वर्ष आयु वर्ग में 16वाँ स्थान प्राप्त किया, जो उनकी निरंतर साधना और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है।

हालाँकि प्रत्येक प्रयास सफलता में परिवर्तित हो, यह आवश्यक नहीं होता। वर्ष 2024 में लेह की लगभग 3500 मीटर ऊँचाई पर पर्याप्त एक्लाइमेटाइजेशन के बावजूद ऑक्सीजन की कमी के कारण वे दौड़ पूरी नहीं कर सके। इस अनुभव ने उन्हें यह सिखाया कि जीवन में कभी-कभी ठहरना भी आगे बढ़ने की तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है।

वर्ष 2026 उनके लिए विशेष उपलब्धियों का वर्ष रहा। 1 फरवरी को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित बोकारो हाफ मैराथन में उन्होंने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा ₹7000 की नगद पुरस्कार राशि अर्जित की। इसके केवल एक सप्ताह बाद, 8 फरवरी को आयोजित भिलाई स्टील मैराथन में 61 वर्ष की आयु में उन्होंने 1 घंटा 54 मिनट 45 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज किया। उनकी यात्रा प्रत्येक कर्मचारी के लिए प्रेरणा है कि स्वास्थ्य के लिए निकाला गया समय कभी व्यर्थ नहीं जाता। छोटी शुरुआत, नियमित अभ्यास और स्वयं पर अटूट विश्वास ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। वास्तव में, दौड़ उम्र नहीं, संकल्प दौड़ता है।

विदाई

कार्यपालक निदेशक श्री मनीष गुप्ता की भावभीनी विदाई- छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी से कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री मनीष कुमार गुप्ता को 29 मई को भावभीनी विदाई दी गई। पावर कंपनीज़ के मुख्यालय सेवा भवन में आयोजित समारोह में प्रबंध निदेशक (जनरेशन) श्री एस. के. कटियार, प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला तथा प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीम सिंह कंवर ने सेवानिवृत्त ईडी श्री मनीष गुप्ता को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। प्रबंध निदेशकगणों ने कहा कि श्री गुप्ता के समर्पण, उत्कृष्ट कार्यशैली एवं अनुभवों से पावर कंपनी के विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिली हैं।







श्री जे.एस.नेताम एवं श्री सुरेश कुमार चक्रवर्ती- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ से कार्यपालक निदेशक (संचारण/संधारण) श्री जे.एस.नेताम एवं कार्यपालक निदेशक (सतर्कता-उच्चदाब) श्री सुरेश कुमार चक्रवर्ती को भावभीनी विदाई दी गई। पॉवर कंपनीज के मुख्यालय सेवा भवन में आयोजित समारोह में प्रबंध निदेशक (जनरेशन) श्री एस. के. कटियार, प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला तथा प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीम सिंह कंवर ने सेवानिवृत्त ईडी श्री जेएस नेताम एवं एसके चक्रवर्ती को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविंद पटेल ने किया।

सात कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई- ट्रांसमिशन कंपनी में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह में 7 अधिकारियों-कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर सम्मानित किया गया। प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने वरिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री योगेश्वर प्रसाद साहू रायपुर, वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री प्रमोद कुमर उइके राजनांदगांव, वरिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री यशवंत कुमार स्वर्णकार भिलाई, लाइन सहायक श्रेणी एक श्री रामकिशुन साहू (कोरबा), लाइन सहायक श्रेणी-एक श्री एल.गोपी राव, लाइन सहायक श्रेणी-दो श्री रूपराम साहू, फार्मासिस्ट श्री संजय कुमार डुमरे को सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई।





श्री दलगंजन सिंह पटेल, श्री शिवब्रत राय चौधरी, डी. प्रभाकर, श्री रमेश कुमार कश्यप, श्री नारायण प्रसाद यादव- ट्रांसमिशन कंपनी में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह में पांच अधिकारियों-कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर सम्मानित किया गया। प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कोरबा से अतिरिक्त मुख्य अभियंता (टी एंड डी) श्री दलगंजन सिंह पटेल, भिलाई से निज सचिव श्री शिवब्रत राय चौधरी एवं डी. प्रभाकर, भिलाई से कनिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री रमेश कुमार कश्यप, रायपुर से लाइन सहायक श्रेणी एक श्री नारायण प्रसाद यादव को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

श्री समीर देशपांडे, श्री आशीष ब्रम्हभट्ट, श्री जय कुमार सोनी- डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री समीर देशपांडे, अधीक्षण अभियंता श्री आशीष ब्रम्हभट्ट एवं वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री जय कुमार सोनी माह मई में अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुये। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल एवं अति. मुख्य अभियंता श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्री सुनील सरना के उपस्थिति में सेवानिवृत्ति कर्मियों को पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति पत्र एवं कलाई घड़ी से सम्मानित कर विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन कार्यपालन अभियंता (मा.संसा.) श्री पन्ना लाल साहू द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता (मा.संसा.) श्री देवी शंकर राय द्वारा किया गया।





श्री लक्ष्मी प्रसाद साहू, श्री विदेशी राम पटेल, श्री तेरस राम धीवर, श्री नंदकिशोर श्रीवास, श्री गीताम्बर सिंह चंद्रा, सुशीला बाई कंवर, श्री विमल चंद देवांगन- हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम से माह जून में वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री लक्ष्मी प्रसाद साहू, श्री विदेशी राम पटेल, श्री तेरस राम धीवर, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री नंदकिशोर श्रीवास, श्री गीताम्बर सिंह चंद्रा,भृत्य सुशीला बाई कंवर और संयंत्र सहायक श्रेणी दो श्री विमल चंद देवांगन सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एमके गुप्ता ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृतिचिह्न व सेवा प्रमाण.पत्र भेंट किया गया।

श्री छबीराम साहू, श्री धनसाय सिंह आरमों, श्री त्रिभुवन प्रसाद गुप्ता, श्री दरश राम, श्री राजेश कुमार चौरसिया- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व के वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री छबीराम साहू, सुरक्षा उपनिरिक्षक श्री धनसाय सिंह आरमों, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक श्री त्रिभुवन प्रसाद गुप्ता, संयंत्र सहा. श्रेणी-दो, श्री दरश राम, ड्रेसर श्री राजेश कुमार चौरसिया, माह जून-2026 में अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुये। सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल एवं कार्यपालक निदेशक (पीजीटीआई) श्री एस. के. बंजारा तथा अति. मुख्य अभियंता - राजेश्वरी रावत विशेष रूप से उपस्थित थे।





श्री अनूप चंद्रदेव वर्मा- अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा से जून माह में कार्यपालन अभियंता श्री अनूप चंद्रदेव वर्मा सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया के हाथों सेवानिवृत्त अधिकारी को स्मृतिचिह्न व सेवा प्रमाणपत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आलोक लकरा, श्री आरएल ध्रुव, श्री एसडी द्विवेदी और श्री एन लकरा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

श्री अजय कुमार साहू, श्री शोभा राम राठौर- अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से मई माह में स्टाफ ऑफिसर श्री अजय कुमार साहू एवं कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री शोभा राम राठौर सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी-कर्मचारी को पावर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता श्री एचएन. कोसरिया द्वारा कर्मचारियों को स्मृतिचिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आलोक लकरा, श्री आरएल ध्रुव, श्री एसडी द्विवेदी और श्री एन. लकरा की गरिमामयी उपस्थिति थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री आरएस. टेकाम द्वारा किया गया।







श्री धनंजय कुमार अग्रवाल एवं श्री प्रकाश प्रसाद शर्मा- जून माह में वित्त विभाग रायपुर से श्री धनंजय कुमार अग्रवाल सहायक प्रबंधक वित्त एवं श्री प्रकाश प्रसाद शर्मा लेखा अधिकारी को सेवानिवृत्ति के अवसर पर कार्यालय द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक वित्त श्री संदीप मोदी एवं महाप्रबंधक वित्त श्री नवीन ठाकुर ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में श्रीमती नंदिनी भट्टाचार्य , श्री ए के चंद्राकार, श्री एस के शर्मा उपस्थित थे।

देवी प्रसाद साहू, दादू सिंह और राजकुमार पाटकर को विदाई- हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से माह मई में वरिष्ठ पर्यवेक्षक देवी प्रसाद साहू, कनिष्ठ पर्यवेक्षक दादू सिंह एवं मुख्य सुरक्षा सैनिक राजकुमार पाटकर सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता श्री एचके. सिंह ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए पॉवर कंपनी की ओर से आभार जताया। मुख्य अभियंता श्री एचके. सिंह के हाथों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृतिचिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया।





श्री के एन सिंह- अंबिकापुर क्षेत्र से माह मई में श्री के एन सिंह अधीक्षण अभियंता के सेवानिवृत्ति उपरांत उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री यशवंत सिलेदार ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी को शाल, श्रीफल, एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। कार्यक्रम में अति मुख्य अभियंता श्री आवेदन कुजुर, अधीक्षण अभियंता श्री आर के चन्द्राकर, श्री एस के मिश्रा एवं श्री डी के सैनी की उपस्थिति में विदाई दी गई।

श्री आर के राजपूत- अंबिकापुर क्षेत्र से माह जून मे अनुभाग अधिकारी श्री आर के राजपूत के सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री यशवंत सिलेदार ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी को शाल,श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किये। कार्यक्रम मे अति मुख्य अभियंत श्री आवेदन कुजुर, अधीक्षण अभियंता श्री राजेश लकड़ा, कार्यपालन अभियंता श्री कामेन्द्र सिंह एवं श्री सुखदेव राम उपस्थित थे।





श्री सुधा शंकर पटनायक- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी गुढियारी रायपुर कार्यालय मे पदस्थ अधीक्षण अभियंता श्री सुधा शंकर पटनायक को मार्च माह में सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एके तिर्की ने उन्हें शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कनक लता पंसारी ने किया।

THE TIMES OF INDIA | 5 जून 2026

Tribal hamlets to city grids, power network gets boost

CSPDCL Invests 1,502 Crore, Adds Over 1.6 Lakh Connections



दैनिक भास्कर | 3 जून 2026

पीएम सूर्य घर में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान



नवभारत | 4 जून 2026

प्रदेश की 10 फीसदी बिजली की अकेले रायपुर में हो रही खपत



नवभारत | 17 जून 2026

नए विद्युत टैरिफ को उद्योग, कृषि एवं उपभोक्ता वर्ग ने बताया संतुलित

उद्योगों के लिए अनुकूल तथा राज्य के आर्थिक विकास को समर्थन देने वाला निर्णय बताया

नवभारत रिपोर्टर । रायपुर।

राज्य शासन एवं छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए जारी नए विद्युत टैरिफ का उद्योग, कृषि एवं उपभोक्ता वर्ग के प्रतिनिधियों ने स्वागत किया है। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हितधारकों का कहना है कि वर्तमान चुनौतीपूर्ण आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद टैरिफ वृद्धि को सीमित रखना एक संतुलित निर्णय है। विद्युत टैरिफ एवं नियामक सलाहकार इंजीनियर रखने संबंधी सुझावों पर सकारात्मक विचार किया गया है। उन्होंने कहा कि पोहा-मुरमुरा मिलों, ग्रामीण उद्योगों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को मिल रही रियायतों को जारी रखा गया है। साथ ही स्टील उद्योगों के लिए लोड फैक्टर प्रोत्साहन तथा स्टील रोलिंग मिलों को उपलब्ध कम लोड फैक्टर संबंधी लाभों को चयनात रखने का निर्णय उद्योगों के हित में महत्वपूर्ण है। चैंबिक खेती के प्रगतिशील कृषक हरिशंकर कुम्भकार ने कहा कि कठिन वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद बिजली दरों में की गई मामूली वृद्धि सराहनीय है। सेंट्रल सीमेंट इंडस्ट्री के प्रतिनिधि ऋषि अग्रवाल ने कहा कि उद्योगों को पूर्ववत सुविधाएं बनाए रखना तथा कुछ अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करना

millenniumpost | 24 मई 2026

Consumers get major relief through CM Electricity Bill Payment Resolution Scheme

RAIPUR: Under the Good Governance Festival 2026, Chief Minister Vishnu Deo Sai attended a Solution Camp organised in Kathibazar of Balodabazar district. During the event, he interacted with beneficiaries of various government schemes and gathered information about the benefits they were receiving.



At the camp, many consumers received relief in their electricity bills under the Chief Minister Electricity Bill Payment Resolution Scheme 2026. Beneficiaries stated that the scheme had provided them finan-cial relief and significantly reduced th-

In Balodabazar district, Asharam, a resident of village Bithuli, received a waiver of Rs 11,625; Babulal received Rs 14,922; Jagdish received Rs 9,832; Budhraria received Rs 867; and Chowrasia received ₹3,325.

During discussions with the Chief Minister, beneficiaries shared that earlier they faced financial difficul-ties due to high electricity bills, but the Chief Minister Electricity Bill Payment Re-solution Scheme

They said they are now able to pay their electricity bills regularly without any additional burden.

Chief Minister Vishnu Deo Sai said that the objective of the state government is to provide relief to the common people and resolve their problems with sensitivity. He added that the government is continuously working to ensure that assistance reaches every section of society through welfare schemes.

The beneficiaries expressed gratitude to the Chief Minister and the state government, stating that the scheme is proving

नईदुनिया | 17 जून 2026

बिजली दरों में बढ़ोतरी के बावजूद 41 लाख उपभोक्ताओं को राहत

विभाग का दावा ● 200 यूनिट तक 50 प्रतिशत छूट

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया,रायपुर : प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न राहत योजनाओं के कारण बिजली की बढ़ी दरों का घरेलू उपभोक्ताओं पर सीमित प्रभाव ही पड़ेगा। प्रदेश के करीब 51 लाख घरेलू उपभोक्ताओं में से 41 लाख को इन योजनाओं के कारण राहत का लाभ मिलेगा। प्रदेश में 14.5 लाख



• शासकीय योजनाओं से शून्य से 265 प्रतिशत

कम बिजली खर्च करने का नया अवसर

10 किलोवाट से अधिक भार वाले घरेलू, वै-घरेलू, औद्योगिक व सार्वजनिक उपयोगिता के उपभोक्ताओं को आंशिक-पीक समय (सुबह जो काम से शाम पांच बजे तक) बिजली उपयोग पर चार प्रतिशत

पत्रिका | 5 जून 2026

सपना साकार : सीएम मजराटोला विद्युतीकरण योजना से 3.83 करोड़ की सौगात

खैरागढ़ : आजादी के 78 साल का अंधेरा खत्म, 10 मजरा-टोलों में पहली बार पहुंची रोशनी

पत्रिका ब्यूरो ●खैरागढ़. खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों के निवासियों के लिए सुशासन तिहार एक ऐतिहासिक उपलब्धि लेकर आया है। दशकों से अंधेरे और लालटेन के सहारे जीवन यापन कर रहे 10 मजरा-टोलों में अब बिजली की रोशनी पहुंची। मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना के तहत इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 3 करोड़ 83 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। विद्युतीकरण की इस पहल से निजामतीह, तुलसाडार, राटीपाट, झिलमिली, गाडाघर्री, पाथरा, लमरा, रिहाडकरा और टिंगीपुर जैसे वनांचल के मजरा-टोले लाभान्वित होंगे।



48 किमी लंबी विद्युत लाइन का होगा जाल

इस परियोजना के तहत सुदूर अंधेरे में आधारभूत संरचना का बड़ा विस्तार किया जाएगा। इसमें 48 किलोमीटर लंबी 11 केवी विद्युत लाइन का निर्माण और 13 किलोमीटर एलटी केबल बिछाई जाएगी। साथ ही, बिजली आपूर्ति को सुचारू बनाने के लिए कुल 11 ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे, जिनमें 63 केवीए क्षमता के दो और 25 केवीए क्षमता के नौ

छत्तीसगढ़ शासन के मीडिया एंगेजमेंट रैंकिंग में लगातार 21 वीं बार प्रथम स्थान

Department-wise Media Engagement Report (Weekly)

Report Start Date: 01 June 2026 | Report End Date: 07 June 2026

S.No	Department Name	Total Score					Press Release			Success Stories			National Stories		State Front Page		Facebook Posts			Twitter (X) Posts			Instagram Posts			ATR		
		Current	Last	WOW %	Rank	Grade	T	A	S	T	A	S	N	S	P	S	T	A	S	T	A	S	T	A	S	T	A	S
1	Energy	100	100	— 0%	1	Excellent	3	44	15	1	2	20	5	5	4	10	7	25	10	7	15	10	7	13	10	1	1	20
2	Forest	85	-	— 0%	2	Excellent	4	21	15	1	2	20	0	0	0	0	7	23	10	7	23	10	7	23	10	0	0	20
3	Public Health and Family Welfare and Medical Education	75	-	— 0%	3	Good	2	22	15	1	3	20	0	0	1	10	7	23	10	7	23	10	7	23	10	1	0	0

राज्य शासन की विभागवार मीडिया एंगेजमेंट रैंकिंग में ऊर्जा विभाग ने लगातार 21वीं बार प्रथम स्थान प्राप्त कर एक और उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। 20 से 28 जून 2026 तक जारी रिपोर्ट में ऊर्जा विभाग ने निर्धारित सभी मापदंडों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 में से 100 अंक अर्जित किए और 'एक्सीलेंट' ग्रेड प्राप्त किया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अधीन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) कार्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के साथ-साथ क्रेडा (CREDA), सीबीडीए (CBDA), विद्युत नियामक आयोग, विद्युत निरीक्षकालय तथा ऊर्जा विभाग से जुड़े अन्य संस्थानों की जनसंपर्क एवं मीडिया गतिविधियों का समन्वित संचालन किया जा रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद समाचारों के प्रभावी प्रसारण, सक्सेस स्टोरी तैयार करने, मीडिया समन्वय तथा सोशल मीडिया पर निरंतर सक्रियता के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल की गई है। राज्य शासन द्वारा 1 जुलाई तक जारी 26 साप्ताहिक विभागीय रैंकिंग में ऊर्जा विभाग ने 21 बार प्रथम, एक बार द्वितीय तथा दो बार तृतीय स्थान प्राप्त किया है। विशेष रूप से विभाग पिछले सात सप्ताह से लगातार प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुख्य सचिव कार्यालय एवं प्रमुख सचिव ऊर्जा द्वारा भी सराहना की गई है।

उल्लेखनीय है कि पावर कंपनीज़ द्वारा जनसंपर्क गतिविधियों का दायित्व संभालने के बाद सुनियोजित मीडिया रणनीति, प्रभावी जनसंपर्क और सशक्त डिजिटल संचार के परिणामस्वरूप विभाग ने राज्य स्तरीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान स्थापित किया है।

इस कार्य की नियमित मॉनिटरिंग छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) कार्यालय द्वारा की जाती है। इस पूरी प्रक्रिया में क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर एवं कोरबा में पदस्थ प्रकाशन अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रहती है, जिससे विभाग की मीडिया एवं जनसंपर्क गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित होता है।

जनसंपर्क एवं वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव ने की सराहना

सेवा भवन में आयोजित विदाई समारोह के दौरान जनसंपर्क एवं वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव ने जनसंपर्क टीम की सराहना करते हुए कहा कि ऊर्जा विभाग की विभागीय मीडिया एंगेजमेंट रैंकिंग का दायित्व पावर कंपनी के जनसंपर्क विभाग द्वारा अत्यंत प्रभावी ढंग से निभाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस रैंकिंग के लिए निर्धारित मापदंड काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण हैं, फिर भी विभाग लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी ऊर्जा विभाग अपनी यह अग्रणी स्थिति बनाए रखेगा।

ऐसे तय होती है विभागीय मीडिया एंगेजमेंट रैंकिंग

राज्य शासन की विभागवार मीडिया एंगेजमेंट रैंकिंग में विभागों का मूल्यांकन पूर्व निर्धारित मापदंडों के आधार पर किया जाता है। इसमें केवल प्रेस विज्ञप्तियां जारी करना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि विभागीय उपलब्धियों को सक्सेस स्टोरी के रूप में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना, उन्हें राज्य के प्रमुख समाचार पत्रों के प्रथम पृष्ठ तक पहुंचाना तथा सोशल मीडिया पर निरंतर सक्रियता बनाए रखना भी आवश्यक होता है।

हमारे सोशल मीडिया पेज से जुड़ने के लिए स्कैन करें...

facebook CS Power Companies

Instagram cs_power_ Companies

twitter @cspwrCompanies

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के लिए, कार्यालय अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) द्वारा प्रकाशित। प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 250 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है। मुद्रक : मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स, रायपुर।

राष्ट्रीय उपलब्धियों से
रोशन छत्तीसगढ़

**छत्तीसगढ़ शासन की विद्युत कंपनियों ने
अर्जित की राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ**

CSPDCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड | CSPTCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड | सी एस पी जी सी एल CSPGCL



राष्ट्रीय उत्पादन प्रदर्शन में तृतीय स्थान

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) की रिपोर्ट में CSPGCL के डीएसपीएम ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व को राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान

सर्वोच्च A++ रेटिंग बरकरार

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC) के मूल्यांकन में CSPTCL को पुनः A++ रेटिंग

14वीं एकीकृत रेटिंग एवं रैंकिंग

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी रिपोर्ट में CSPDCL को 'A' ग्रेड प्राप्त

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उत्कृष्टता पुरस्कार-

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा "सर्वाधिक वेंडर पंजीयन" श्रेणी में द्वितीय स्थान

O/o DGM (PR) CSPTCL द्वारा जारी

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विश्वसनीय बिजली | उत्कृष्ट सेवा | हरित भविष्य